Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 199
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00
लखनऊ-सोमवार,17 नवम्बर 2025

हिन्दी दैनिक

मंत्र भारत

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 ऊर्जा, एकता और उत्साह के संग सम्पन्न हुई एसके

4 बिहार चुनाव, महिलाएं मूक दर्शक नहीं ,निर्णायक नेतृत्व

5 प्रियंका चोपड़ा ने हैदराबाद से शेयर की सेल्फी

वीरांगना ऊदा देवी को मुख्यमंत्री ने किया नमन

अंग्रेजों के दांत खट्टे कर देने वाली शहीद हर हिंदुस्तानी के लिए प्रेरणा

योगी ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी का बलिदान हमें यह प्रेरणा देता है

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के दांत खट्टे कर देने वाली शहीद ऊदा देवी को नमन करते हुए रविवार को कहा कि वीरांगना ऊदा देवी न केवल नारी जाति के लिए बल्कि हर हिंदुस्तानी के लिए एक प्रेरणा हैं। योगी आदित्यनाथ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ रविवार को यहां सेक्टर-19 वृंदावन कॉलोनी, पासी चौराहे पर वीरांगना ऊदा देवी पासी की प्रतिमा का अनावरण और स्वाभिमान समारोह का उद्घाटन करने के बाद कहा, नारी और वंचित का सम्मान डबल इंजन सरकार का मुख्य ध्येय है और वीरांगना ऊदा देवी हमें याद दिलाती हैं कि नारी शक्ति कितनी सामर्थ्यवान है। उन्होंने कहा, वीरांगना ऊदा देवी न केवल नारी जाति के लिए बल्कि हर हिंदुस्तानी के लिए एक प्रेरणा हैं। इसलिए इस अवसर पर मैं उनकी स्मृतियों को नमन करता हूं। उन्होंने विदेशी हुकूमत की चूलों को हिलाने और अत्याचार का जवाब देने के लिए 16 नवंबर 1857 को उन्होंने 36 अंग्रेज सैनिकों को ढेर कर दिया। उनका नाम भारत के इतिहास में अमर हो गया। योगी ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी का बलिदान हमें यह प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने भारत माता के हर सपूत को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। अगर आप बेसिक शिक्षा परिषद की पुस्तकों को देखें तो एक अतिरिक्त पुस्तक जिला, क्षेत्र और प्रदेश स्तर पर उपलब्ध कराई गई है, ताकि वर्तमान पीढ़ी अपने इतिहास को जान सके। मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि हमारी सरकार ने तीन नई पीएसी की महिला बटालियन गठित की और तीनों को 1857 की महान वीरांगनाओं के नाम पर रखा। योगी ने कहा, लखनऊ में स्थापित बटालियन का नाम वीरांगना ऊदा देवी के नाम पर ही रखा गया है। वहां पर हमारी सरकार उनके आदमकद प्रतिमा की स्थापना का कार्य कर रही है।

प्रदेश सरकार ने भारत माता के हर सपूत को पाठ्यक्रम का हिस्सा

गोरखपुर में जो महिला बटालियन गठित हो रही है, उसको वीरांगना झलकारी बाई कोरी के नाम पर और बदायूं में जो बटालियन गठित हो रही है उसे वीरांगना अवंती बाई लोधी के नाम पर रखा गया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इन वीरांगनाओं ने आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के सामने अपने शौर्य से उन्हें धूल चटाने का कार्य किया। क्रांति की हुंकार भरने के कारण विदेशी हुकूमत ने उन्हें समाज की मुख्यधारा से काटने के लिए अलग-थलग कर दिया। परिणाम यह हुआ कि समाज की मुख्यधारा से कटी कोई भी जाति पिछड़ जाती है और यही स्थिति पासी समाज और अनुसूचित समाज के साथ हुआ। आज डबल इंजन की सरकार इस दिशा में बेहतर पहल कर रही है।

राजस्थान के जोधपुर में भीषण हादसा

ट्रक की टक्कर से टेंपो के उड़े परखच्चे, 6 श्रद्धालुओं की मौत व 14 घायल

जयपुर। राजस्थान के जोधपुर जिले में रविवार सुबह भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार रविवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग के जोधपुर-बालेसर खंड पर श्रद्धालुओं को ले जा रहा टेंपो अनाज की बोरियों से भरे ट्रक से टकरा गया। यह दुर्घटना खारी बेरी गांव के पास हुई। बालेसर के थाना प्रभारी मूलसिंह भाटी ने बताया कि गुजरात के बनासकांठा और धनसुरा इलाके से लगभग 20 तीर्थयात्रियों को लेकर रामदेवरा जा रहे टेंपो को विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। भाटी ने कहा, तीन महिलाओं और तीन अन्य की मौके पर ही मौत हो गई। उनके शव बालेसर अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिए गए हैं। 14 घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें जोधपुर के एमडीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इस हादसे पर शोक जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, ग्रामदेवरा धाम जा रहे वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से श्रद्धालुओं के देहावसान की सूचना ने दुखी कर दिया है। बालेसर क्षेत्र में यह हादसा हुआ है। मैंने तत्काल जानकारी ली है और हरसंभव सहायता के दिशा-निर्देश दिए हैं। दिवंगत आत्माओं को देवलोक में स्थान मिले। घायलों की शीघ्र स्वस्थता की प्रार्थना है, उन्हें शीघ्र और श्रेष्ठ उपचार मिले, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। परिजनों से मेरे हृदय की संवेदनाएं जुड़ी हैं।

सार संक्षेप

सांसद राघव चड्ढा ने किए भगवान महाकाल के दर्शन

उज्जैन। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा आज महाकाल की नगरी उज्जैन पहुंचे, जहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन किए। मां संग पहुंचे राघव चड्ढा ने सुबह चांदी द्वार से बाबा का पूजन-अर्चन किया। पूजा के दौरान वह पूरी तरह भक्ति में लीन नजर आए। माथे पर तिलक, हाथ में पूजा सामग्री और चेहरे पर शांति की झलककृसांसद का हर भाव गहरी आस्था का प्रतीक दिखा। दर्शन के बाद वह नंदी हॉल पहुंचे, जहां उन्होंने पंडित यश गुरु और पंडित संजय गुरु के मार्गदर्शन में विधि-विधान से अभिषेक किया। इसी दौरान राघव चड्ढा ने नंदी जी के कानों में अपनी मनोकामना भी कही। कुछ देर ध्यान में बैठकर उन्होंने महाकाल के दरबार में मानसिक शांति का अनुभव किया। पूजन-अर्चन पूरा होने के बाद सांसद ने कहा कि वे अपनी मां के साथ बाबा महाकाल का आशीर्वाद लेने आए हैं।

वृंदावन में बागेश्वर धाम की सनातन हिंदू एकता पदयात्रा सम्पन्न

वृंदावन। वृंदावन में बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन हिंदू एकता पदयात्रा रविवार को अपने 10वें दिन भव्य समापन पर पहुंची। 7 से 16 नवंबर तक चली यह यात्रा दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सीमाओं से होकर निकली, जिसमें लाखों श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे मार्ग में शास्त्री के स्वागत में जगह-जगह अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। समापन दिवस पर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि यह यात्रा केवल धार्मिक भावनाओं का नहीं, बल्कि सनातन हिंदू एकता का सशक्त प्रतीक बनकर उभरी है। उन्होंने बताया कि 10 दिनों में देशभर से आए करोड़ों लोगों ने एक स्वर में सनातन धर्म की रक्षा और उत्थान का संकल्प लिया है। शास्त्री ने कहा कि अमीरदगरीब, संतदसाधु, किसानदमजदूर सभी वर्गों का एक साथ चलना ही सनातन की असली ताकत है। उनके अनुसार यह यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और व्यापक जनसमर्थन का अनोखा उदाहरण बनी। शास्त्री ने दावा किया कि इस यात्रा ने वह प्रभाव छोड़ा है, जो अनेक बड़े आंदोलनों में भी नहीं दिखा। वृंदावन की पवित्रता पर बोलते हुए शास्त्री ने कहा कि ब्रज भूमि भक्ति की धरा है और यहां मांस-मदिरा प्रतिबंध को लेकर चर्चा शुरू होना शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि सनातनी समाज किसी तरह के संघर्ष का पक्षधर नहीं, बल्कि शांति, सेवा और प्रेम के मार्ग का अनुसरण करता है।

वामपंथी इतिहासकारों ने दरकिनार किया दलित और पिछड़े समाज के नेताओं की वीरता और बलिदानः राजनाथ

इंडिया की आन-बान-शान के लिए हर बेटी बन सकती ऊदा देवी

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वामपंथी इतिहासकारों ने अपनी सुविधानुसार इतिहास को लिखा, जिसमें दलित और पिछड़े समाज के नेताओं की वीरता और बलिदान को दरकिनार किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज शहीद वीरांगना ऊदा देवी के शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि दलित, आदिवासी, महिलाओं और पिछड़े समुदायों के असंख्य वीरों को इतिहास के पन्नों में उचित स्थान नहीं मिला। इन नायकों को न सिर्फ पढ़ाया जाना चाहिए था बल्कि उनको पूजा जाना चाहिए था। दुखद बात है कि इतिहासकारों ने पासी साम्राज्य पर कोई किताबें नहीं लिखीं। विद्वानों ने कभी इस वीर समुदाय के इतिहास पर रिसर्च नहीं की। पहले की सरकार ने कभी भी पासी साम्राज्य के बारे में जानकारी एकत्र करने की कोशिश नहीं की।एका आंदोलन में मदारी पासी का योगदान कौन ही भूल सकता है। मदारी पासी ने अन्याय के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूँका।जब किसानों पर बहुत अधिक लगान लगाया गया तो मदारी पासी श्किसानों के मसीहा बनकर उभरे।मैं मदारी पासी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।रक्षा मंत्री ने कहा कि वह निःसंकोच कह सकता है कि इंडिया की आन-बान-शान की रक्षा के लिए इंडिया की हर बेटी ऊदा देवी बन सकती है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान महिला पायलटों और महिला सैनिकों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऊदा देवी ने अप्रतिम पराक्रम और अदम्य साहस से न सिर्फ अंग्रेजी सेना को धूल चटायी बल्कि राष्ट्र प्रेम का ऐसा मानक स्थापित किया है जो अनंत काल तक इंडिया के हर नागरिक को प्रेरित करता रहेगा।ऊदा देवी ने बता दिया था कि जब-जब इंडिया की ओर कोई आंख उठाकर देखेगा, तो इंडिया की हर बेटी भी उसका डटकर मुकाबला करेगी। जब अंग्रेजों की एक बटालियन से लड़ते हुए ऊदा देवी शहीद हुईं, तब उनके मृत शरीर को देखकर ब्रिटिश अधिकारी भी उनके प्रति सम्मान में झुक गए थे। वीरांगना ऊदा देवी ने न केवल पासी समुदाय, बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित किया है। प्रत्येक भारतीय को उन पर अत्यंत गर्व है। उन्होंने कहा कि ऊदा देवी की कहानी हमें आत्म-सम्मान सिखाती है। 1857 की क्रांति के इतिहास में ऊदा देवी पासी ने न केवल अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी, बल्कि उस सामाजिक व्यवस्था को भी चुनौती दी जिसने उनके समाज को सदियों तक हाशिए पर रखा। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऊदा देवी जी ने यह सिद्ध किया कि देशभक्ति और वीरता किसी जाति या वर्ग की सीमा में बंधी नहीं होती। लखनऊ की लड़ाई में उन्होंने दिखाया कि स्वतंत्रता की ज्वाला हर हृदय में प्रज्वलित हो सकती है।

बिहार चुनाव 2025: जीते 243 विधायकों में से 130 दागी, 90 फीसदी करोड़पति, सिर्फ 12 प्रतिशत महिलाएं जीतीं

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में जीते 243 विधायकों में से 53 प्रतिशत यानी 130 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और बिहार इलेक्शन वॉच के विश्लेषण में यह जानकारी सामने आई। इन दोनों संस्थानों ने विधानसभा चुनाव के 243 विजेता उम्मीदवारों के शपथ-पत्रों का विश्लेषण किया है। एडीआर के अनुसार, 2020 के विधानसभा चुनाव में 241 में से 163 यानी 68 प्रतिशत विधायकों ने आपराधिक मामले घोषित किए थे। रिपोर्ट के मुताबिक इस बार 102 (42 प्रतिशत) विधायकों ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं, जबकि 2020 में यह संख्या 123 (51 प्रतिशत) थी। छह के खिलाफ हत्या से संबंधित मामले दर्ज हैं, जबकि 19 विधायकों पर हत्या के प्रयास से जुड़े मामले हैं। इसके अनुसार महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के नौ मामले भी विजेताओं ने अपने हलफनामों में घोषित किए हैं। एडीआर के विश्लेषण के अनुसार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 89 विजेताओं में 43 (48 प्रतिशत), जनता दल (यूनाइटेड) के 85 में 23 (27 प्रतिशत), राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के 25 में 14 (56 प्रतिशत), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 19 में 10 (53 प्रतिशत), कांग्रेस के छह में तीन (50 प्रतिशत), ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के पांच में चार (80 प्रतिशत), राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के चार में एक (25 प्रतिशत), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के दो में एक (50 प्रतिशत), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एकमात्र विजेता, इंडियन इन्क्लूसिव पार्टी (आईआईपी) के एक विजेता और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के एक विजेता ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

बढ़ता कर्ज ही चंद्रबाबू नायडू का असली विजन: जगन मोहन रेड्डी

अमरावती। पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने टीडीपी नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के आर्थिक प्रदर्शन पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि कम राजस्व वृद्धि, कम पूंजीगत व्यय और बढ़ता कर्ज ही मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू का असली विजन है। जगन ने रविवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही के लिए कैग द्वारा जारी आंकड़े राज्य सरकार के राजस्व में बेहद निराशाजनक वृद्धि दिखाते हैं। यह टीडीपी और जनसेना पार्टी (जेएसपी) द्वारा चुनाव के दौरान किए गए बड़े-बड़े दावों के बिल्कुल विपरीत है।उन्होंने आरोप लगाया कि टीडीपी गठबंधन सरकार के

वित्तीय प्रदर्शन का एक सरसरी आकलन ही उनकी नाकामियों को उजागर कर देता है। कैग के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि 2025-26 की पहली छमाही में राज्य के अपने कर राजस्व में वर्ष-दर-वर्ष केवल 7.03 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2025-26 में सुधार की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन आंकड़े इसके विपरीत इशारा करते हैं। जगन ने कहा कि जीएसटी और बिक्री कर इन दोनों का कुल राजस्व इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में केवल 2.85 प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने बताया कि यदि 2023-24 से 2025-26 की दो वर्षीय अवधि के पहले छह महीनों के राजस्व की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) देखी जाए, तो स्थिति और खराब है, राज्य के अपने कर राजस्व की वृद्धि केवल 2.75 प्रतिशत रही है।

श्रीनगर के नौगाम में हुए शक्तिशाली विस्फोट

9 लोग मरे, 30 से ज्यादा घायल, नए सिरे से की जांच शुरू

जम्मू। श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में शुक्रवार 14 नवंबर की रात हुए शक्तिशाली विस्फोट, जिसमें नौ लोग मारे गए और 30 से अधिक घायल हुए, की तुलना कश्मीर के सबसे भीषण सैन्य हादसों में से एक, बादामी बाग छावनी स्थित भारतीय सेना के फील्ड ऑर्डनेंस डिपो में 1994 में हुए विस्फोट से की जा रही है। हालांकि दोनों घटनाओं के बीच समानताओं ने संघर्ष प्रभावित क्षेत्र में जब्त विस्फोटकों के भंडारण और जांच के तरीके की नए सिरे से जांच शुरू कर दी है।जानकारी के लिए 29 मार्च, 1994 को 15वीं कोर मुख्यालय के अंदर विस्फोट उस समय हुआ जब सेना के ऑर्डनेंस कोर

के जवान आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान बरामद हथियारों और गोला-बारूद का निरीक्षण कर रहे थे। बाद में संसदीय रिकार्ड ने पुष्टि की थी कि वरिष्ठ अधिकारियों सहित 13 सैन्यकर्मी मारे गए, जबकि समकालीन रिपोर्टों में यह संख्या 15 बताई गई थी। इस विस्फोट ने छावनी के एक हिस्से को तबाह कर दिया, जिससे राज्यसभा में श्रीनगर के सबसे रणनीतिक सैन्य प्रतिष्ठान के अंदर अस्थिर सामग्री के भंडारण की सुरक्षा पर बहस छिड़ गई थी।नौगाम में शुक्रवार को हुए विस्फोट में भी कुछ अजीब समानताएं हैं। अधिकारियों के अनुसार, फोरेंसिक टीमें कश्मीर के बाहर से लाई गई विस्फोटक सामग्री का विश्लेषण कर रही थीं, तभी रात लगभग 11.20 बजे जखीरे में विस्फोट हो गया। जम्मू कश्मीर पुलिस प्रमुख ने साक्ष्यों की जांच के दौरान इस घटना को एक आकस्मिक विस्फोट बताते हुए, इसमें किसी भी तरह के आतंकी पहलू से इनकार किया है। हालांकि, यह तथ्य कि यह सामग्री एक चल रही आतंकवाद-संबंधी जांच का हिस्सा थी, ने इससे निपटने के नियमों को लेकर सवाल खड़े जरूर कर दिए हैं।सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह त्रासदी अस्थिर विस्फोटकों के परिवहन और परीक्षण से जुड़े लगातार जोखिमों को रेखांकित करती है, खासकर आबादी वाले इलाकों में। नौगाम पुलिस स्टेशन रिहायशी इलाकों के पास स्थित है, जिससे स्थानीय लोगों में डर और बढ़ गया है।

मुठभेड़ में तीन नक्सली ढेर, मिलिशिया कमांडर माड़वी देवा भी मारा गया, थ्री नॉट थ्री रायफल समेत अन्य सामग्री बरामद

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के भेज्जी और चिंतागुफा थाना क्षेत्रों की सीमा पर स्थित तुमालपाड़ के जंगल और

पहाड़ी इलाके में मुठभेड़ में तीन माओवादी मारे गए हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से रविवार को मिली जानकारी के मुताबिक, मारे गए माओवादियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। मौके से पुलिस को थ्री नॉट थ्री रायफल, बीजीएल लांचर और भारी मात्रा में गोला-बारूद सहित अन्य सामग्री भी मिली है। सुकमा पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने कि यह मुठभेड़ शनिवार सुबह शुरू हुयी थी और रविवार सुबह सूचना के आधार पर तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया, मुठभेड़ स्थल से अब तक माओवादी कैडरों के तीन शव बरामद किए गए हैं। क्षेत्र में अभी भी सुरक्षा बलों की तलाशी जारी है। मारे गए माओवादियों की पहचान माड़वी देवा, पोड़ियम गंगी और सोड़ी गंगी के रूप में हुई है। माड़वी देवा जनमिलिशिया कमांडर, स्नाइपर स्पेशलिस्ट और कोंटा एरिया कमेटी सदस्य था और उस पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। पोड़ियम गंगी कोंटा एरिया कमेटी की कमांडर थी, जबकि सोड़ी गंगी किस्टाराम एरिया कमेटी की सदस्य थी।

तेज प्रताप ने बहन रोहिणी से जुड़े विवाद पर दी कड़ी प्रतिक्रिया

इस अन्याय का परिणाम बेहद भयावह होगा

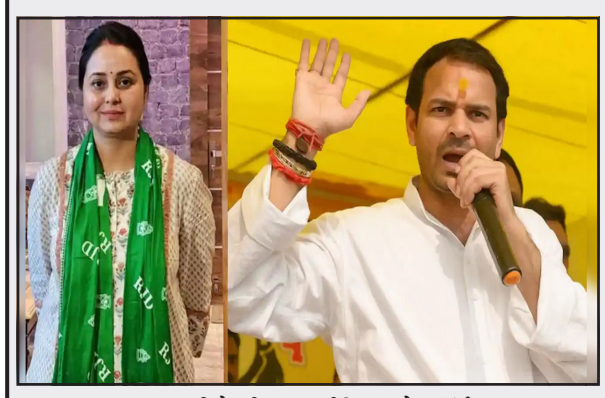

पटना। राजद सुप्रीमो सीएम लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने बहन रोहिणी आचार्य से जुड़े विवाद पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया है।

उन्होंने कहा कि मेरी बहन का अपमान किसी भी हाल में असहनीय है। सुन लो जयचंदों परिवार पर वार करोगे तो बिहार की जनता तुम्हें कभी माफ नहीं करेगी। तेज प्रताप यादव ने राजद प्रमुख लालू यादव से आग्रह करते हुए कहा कि आपका केवल एक इशारा और बिहार की जनता इन जयचंदों को जमीन में खुद गाड़ देगी।बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की करारी हार के बाद लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने भाई तेजस्वी यादव पर कई गंभीर आरोप लगाए। रोहिणी ने बताया है कि उन्हें पीटने के लिए चप्पल तक उठाई गई। रोहिणी के आरोप पर भाई तेज प्रताप ने सोशल मीडिया के माध्यम से जवाब दिया है। जनता दल जनता (जेजेडी) प्रमुख तेज प्रताप ने अपने पार्टी के इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, कल की घटना ने दिल को भीतर तक झकझोर दिया है। मेरे साथ जो हुआ, वह मैं सह गया, लेकिन मेरी बहन के साथ जो अपमान हुआ, वह किसी भी हाल में असहनीय है।

सुन लो जयचंदों परिवार पर वार करोगे तो बिहार की जनता तुम्हें कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने लिखा, जबसे मेरी रोहिणी बहन के चप्पल उठाने की खबर सुनी, दिल की आहत अब अग्नि बन चुकी है। जब जनमानस की भावनाएं आहत होती हैं तो बुद्धि पर पड़ी धूल उड़ जाती है। इन चंद चेहरों ने तेजस्वी की भी बुद्धि पर परदा डाल दिया है। इस अन्याय का परिणाम बेहद भयावह होगा। समय का लेखा-जोखा बड़ा कठोर है। तेज प्रताप ने लिखा, मैं माननीय आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मेरे पिता, मेरे राजनीतिक गुरु लालू प्रसाद जी से आग्रह करता हूं। पिता जी, एक संकेत दीजिए। आपका केवल एक इशारा और बिहार की जनता इन जयचंदों को जमीन में गाड़ देने का काम खुद कर देगी। यह लड़ाई किसी दल की नहीं, परिवार के सम्मान, बेटी की गरिमा और बिहार के स्वाभिमान की लड़ाई है।

मंत्र भारत

पूर्वांचल

लखनऊ-सोमवार,17 नवम्बर 2025

प्रधानमंत्री ने गुजरात के सूरत में निमार्णाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया

गोरखपुर: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल गुजरात के सूरत में निमार्णाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया और मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की टीम से भी बातचीत की और गति तथा समय सारिणी के लक्ष्यों के पालन सहित परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली। कर्मियों ने उन्हें आश्वासन दिया कि परियोजना बिना किसी कठिनाई के सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है। केरल की एक इंजीनियर ने गुजरात के नवसारी स्थित नॉइज बैरियर फैक्टरी में काम करने का अपना अनुभव साझा किया, जहाँ सरिया के पिंजरों की वेल्डिंग के लिए रोबोटिक इकाइयाँ स्थापित की जा रही हैं। श्री मोदी ने उनसे पूछा कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन के निर्माण के अनुभव को उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कैसा महसूस किया और इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बारे में वे अपने परिवारों के साथ क्या साझा करती हैं। उन्होंने देश की पहली बुलेट ट्रेन में योगदान देने पर गर्व व्यक्त किया और इसे अपने परिवार के लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट और गर्व का क्षण बताया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्र सेवा की भावना पर विचार करते हुए इस बात पर जोर दिया कि जब राष्ट्र के लिए काम करने और कुछ नया योगदान देने की भावना जागृत होती है, तो यह अत्यधिक प्रेरणा का स्रोत बन जाती है। उन्होंने भारत की अंतरिक्ष यात्रा के साथ तुलना करते हुए याद दिलाया कि देश का पहला उपग्रह प्रक्षेपित करने वाले वैज्ञानिकों को कैसा महसूस हुआ होगा और आज कैसे सैकड़ों उपग्रह प्रक्षेपित किए जा रहे हैं। बेंगलुरु की एक अन्य कर्मचारी, श्रुति, मुख्य इंजीनियरिंग प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने कठोर डिजाइन और इंजीनियरिंग नियंत्रण प्रक्रियाओं के बारे में बताया। श्रुति ने बताया कि कार्यान्वयन के प्रत्येक चरण में, उनकी टीम फायदे और नुकसान का मूल्यांकन करती है, समाधानों की पहचान करती है और दोषरहित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए विकल्पों की खोज करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यदि यहाँ प्राप्त अनुभवों को ब्लू बुक की तरह दर्ज और संकलित किया जाए, तो देश बुलेट ट्रेनों के बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ सकता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को बार-बार प्रयोग करने से बचना चाहिए और इसके बजाय मौजूदा मॉडलों से सीखों को दोहराना चाहिए। श्री मोदी ने इस बात पर बल दिया कि अनुकरण तभी सार्थक होगा जब यह स्पष्ट समझ हो कि कुछ कदम क्यों उठाए गए। उन्होंने आगाह किया, कि अनुकरण बिना किसी उद्देश्य या दिशा के हो सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसे रिकॉर्ड बनाए रखने से भविष्य के विद्यार्थियों को लाभ हो सकता है और राष्ट्र निर्माण में योगदान मिल सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा, हम अपना जीवन यहीं समर्पित करेंगे और देश के लिए कुछ मूल्यवान छोड़ जाएँगे। एक कर्मचारी ने एक कविता के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता को भावपूर्ण शब्दों में व्यक्त किया, जिस पर प्रधानमंत्री ने उनके समर्पण की प्रशंसा और सराहना की। केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव इस दौरे के अवसर पर मौजूद थे।

आप मुझ पर बुलडोजर चला दो': मकान तोड़ने पहुंचे अफसरों के सामने आई महिला, बोली- मेरे मुस्लिम होने.

वाराणसी। के दालमंडी में चौड़ीकरण को लेकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई बीते 29 अक्तूबर से चल रही है। बीते शनिवार को जब प्रशासन पहुंचा तो दुकानदारों ने थोड़ी नाराजगी दिखाई। एक महिला से अफसरों की तीखी बहस भी हुई। शनिवार को पीडब्ल्यूडी और प्रशासन की टीम दालमंडी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने पहुंची। सुबह करीब 12 बजे पहुंची टीम ने भवन संख्या डी 50/207 पर कार्रवाई शुरू की तो भवन स्वामी मोहम्मद शाजिद और मोहम्मद वाजिद ने खाली करने के लिए समय मांगा। टीम ने 10 मिनट का समय दिया। इसके बाद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। हथौड़ा की मदद से तीन मंजिला मकान ध्वस्त किया गया और आठ दुकानें गिराई गईं। टीम ने मकान में ऊपरी मंजिल पर पांच मजदूर लगाकर तोड़फोड़ शुरू की गई। टीम ने ऊपर जाने के लिए ताला की चाबी मांगी लेकिन नहीं मिली। इसके बाद ताला तोड़कर कार्रवाई शुरू की गई। करीब आठ घंटे तक चली कार्रवाई में मकान और आठ दुकानें तोड़ दी गईं। इसी भवन के सामने चार मंजिला मकान सीके 67/27 भी अवैध घोषित है। टीम यहां तोड़ने

गई तो यहां मकान मालिक नसीमा बनो ने विरोध करना शुरू कर दिया। कहा कि उनके साथ अन्याय किया जा रहा है। आरोप लगाया कि उन्हें कोई नोटिस नहीं मिला है। कहा कि उन्हें जब नोटिस मिल जाएगा, उसके बाद ही वह मकान तोड़ने देंगी। यह वही मकान है, जिसे वीडीए की टीम ने चिह्नित किया थे। वीडीए ने महिला मकान मालिक से कहा कि कार्यालय आकर संपर्क करिए।

स्काउट गाइड के तंबू बनाने में बुलबुल व ईगल टोली का दबदबा

गजरौला। स्काउट गाइड शिविर के समापन पर शनिवार को विद्यार्थियों ने सुंदर तंबू बनाए। छात्राओं ने पकौड़ी, पकौड़े आदि बनाकर व्यंजन कला में अपनी दक्षता का प्रदर्शन किया। बुलबुल टोली ने प्रथम, रानी लक्ष्मीबाई ने द्वितीय और छात्रों की टोली में ईगल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कॉलेज के मैदान में तीसरे दिन शनिवार को छात्राओं की 11 और छात्रों की सात टोली ने तंबू बनाए। दीपिका, स्वीटि ने रानी लक्ष्मीबाई, खुशी, अंशिका ने मीराबाई, आरती, निधि ने चमेली, परी, साईमिन ने कल्पना चावला, भूमिका, शोभा ने तितली, दिव्या, खुशी ने सूरजमुखी, मोहिनी, अंशिका ने लिली, राधिका, दीपिका ने कमल, आयुशी, हिमांशी ने बुलबुल, नैनसी, इल्मा ने गुलाब, सगुन, तानिया टोली ने अपने तंबू का नाम कोयल रखा। छात्रों में देव त्यागी, आजाद मलिक ने मोर, सानू, यश कुमार ने चीता, आयुष, कार्तिक ने शेर, मोईन, रोहन ने ईगल, विशेष, शनि ने तोता, ब्रज व यश ने भालू, नईम अली, रचित टोली ने ब्लैक पैंथर के नाम पर तंबू बनाए। तंबू बनाने में डबल बेड की चादर, डंडे, रस्सी का इस्तेमाल किया। गुब्बारे, गुलदस्ते आदि से तंबुओं को भली भांति सजाया गया। अमरूद, केला, सेब, अनार, सिंघाड़ा आदि फलों को सही तरीके से काटकर तंबुओं में रखा। नूडल्स, पकौड़ी, पकौड़े आदि बनाए। नरेंद्र कुमार व चंचल कुमारी की देखरेख में छात्र-छात्राओं ने शिविर बनाने में अपनी कलात्मकता का परिचय दिया। प्रधानाचार्य डॉ.शरद शर्मा, शैलेंद्र कुमार, ज्ञानेश कुमार सिंह, विशाल अग्रवाल, धर्मेंद्र कुमार, जयविंदर सिंह, मोनिका सिंह, अमन कुमार, जसपाल सिंह, नवनीत कुमार ने छात्र-छात्राओं के तंबुओं का निरीक्षण किया। छात्राओं में बुलबुल टोली ने प्रथम, रानी लक्ष्मी बाई द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि छात्रों की ईगल टोली प्रथम स्थान पर रही।

सोनभद्र में ड्रिलिंग...धंसी खदान, एक मजदूर की मौत, 15 के दबे होने की आशंका; सपाजनों को पुलिस ने रोका

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में उस वक्त बड़ा हादसा हो गया, जब सीएम योगी एक कार्यक्रम से निकले। उनके जाने के आधे घंटे बाद बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में ड्रिलिंग से मलबा धसक गया। यहां रविवार की सुबह आने वाले सपा नेताओं को पुलिस ने आगे जाने से रोक दिया। परसाई ग्राम पंचायत के टोला अमिरिनिया निवासी राजू सिंह गोंड (28) पुत्र त्रिवेणी सिंह गोंड का शव रात दो बजे बरामद हुआ। बाकी तलाश जारी है। उसके जेब से मिले मोबाइल से संपर्क किया गया तो भाई सोनू सिंह ने मृतक की पहचान की। ओबरा थाने में केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक 15 से अधिक लोग मौके पर काम कर रहे थे। हादसे के वक्त खदान में नौ कंप्रेशर मशीनों से ब्लास्टिंग के लिए होल किया जा रहा था। घटना तब हुई, जब चंद किमी दूरी पर ही मुख्यमंत्री का कार्यक्रम आयोजित था। उनके लौटने के महज आधे घंटे बाद ही हादसे से खलबली मच गई। सूचना पर डीएम, एसपी सहित अन्य अफसर मौके पर पहुंचे। मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने के लिए एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई है। हादसे में दो मजदूरों के मौत की भी चर्चा रही। हालांकि, इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई। मुख्यमंत्री के आगमन के मद्देनजर हुए खनन क्षेत्र में शनिवार को ब्लास्टिंग बंद था। इसे देखते हुए राजकीय पीजी कॉलेज ओबरा के पास मेसर्स कृष्णा माइनिंग के नाम से आवंटित खदान में ब्लास्टिंग के लिए होल बनाने का कार्य जारी था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इस काम में नौ कंप्रेशर मशीनें और 18 से अधिक मजदूर लगे हुए थे। बताया जा रहा है कि दोपहर ढाई बजे के करीब अचानक से एक तरफ की दीवार धसक गई। इससे मलबा करीब डेढ़ सौ फीट नीचे गिरा। कई मजदूर इसकी चपेट में आ गए। घटना से अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। आनन-फानन पास की अल्ट्राटेक, ओबरा व अन्य परियोजनाओं के राहत दल की मदद से बचाव कार्य शुरू

किया। डीएम बद्रीनाथ सिंह, एसपी अभिषेक वर्मा सहित पुलिस-प्रशासन के अन्य अफसर मौके पर पहुंचे। राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। ज्यादातर मजदूर पनारी गांव के निवासी हैं। प्रधान पति लक्ष्मण यादव ने गांव के दो मजदूरों के मौत का दावा किया। हालांकि, अधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं हो पाई। पोकलेन से मलबा हटाने का प्रयास किया जाता रहा लेकिन खदान काफी गहरी होने के कारण राहत कार्य में दिक्कत की स्थिति बनी रही। मेसर्स कृष्णा माइनिंग में हादसा हुआ है। कुछ लोगों के मलबे में दबने की आशंका है। राहत कार्य जारी है। वाराणसी से एनडीआरएफ और मिजार्पुर से एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई है। मलबा हटने के बाद ही सही स्थिति स्पष्ट होगी। पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदारी तय की जाएगी। - बद्रीनाथ सिंह, डीएम। बिरसा मुंडा जयंती पर इस तरह की घटना काफी दुखद है। सरकार की संवेदना प्रभावित परिवारों के साथ है। कार्य बंद किए जाने की पूर्व सूचना के बाद भी किन परिस्थितियों में कार्य कराया जा रहा था और इसके लिए कौन जिम्मेदार है, इसकी जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। - संजीव सिंह गोंड, राज्य मंत्री, समाज कल्याण। सोनभद्र हादसा...सपा नेताओं को घटनास्थल पर जाने से पुलिस ने रोका, भड़के सांसद रविवार की सुबह सांसद छोटेलाल खरवार, जिलाध्यक्ष रामनिहोर यादव, प्रदेश सचिव मुनीर अहमद, ओबरा विधानसभा अध्यक्ष परमेश्वर यादव, रमेश सिंह यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल यादव, अमर नाथ यादव सहित अन्य सपा नेताओं को घटना स्थल पर जाने से प्रशासन ने रोका गया। सांसद ने कड़ी नाराजगी जताते हुए सरकार पर साधा निशाना। कहा कि जिले में अफसरों की मिलीभगत से खनन हो रहा है। जिन दो लोगों के फंसे होने की आशंका है, उनके पिता सोमनाथ कहते हैं कि मेरे दो बेटे फंसे हुए हैं। मेरे तीन बेटे यहां काम करने आए थे। एक ट्रैक्टर चला रहा था, दूसरा कंप्रेसर, और सबसे छोटा बेटा ढलान पर था, जो सुरक्षित है। चौबीस घंटे हो गए हैं जब से हमें उन दोनों के बारे में कोई जानकारी मिली है। मैं क्या कहूं, मेरा दिमाग काम नहीं कर रहा है।

पुरानी रंजिश को लेकर घेरकर पीटा

बस्ती। वाल्टरगंज थानाक्षेत्र के गनेशपुर में पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट के मामले में केस दर्ज किया है। इसी थानाक्षेत्र के दक्षिण द्वारा गनेशपुर निवासी सरवरी खातुन पत्नी स्व. अब्दुल रहमान ने तहरीर देकर बताया है कि पुरानी रंजिश के चलते शुक्रवार को विक्षियों ने एक राय होकर उन्हें व उनके परिवारजनों को मारापीटा। अपशब्द कहते हुए जान से मारने की धमकी दी। वाल्टरगंज पुलिस ने बलवा, मारपीट समेत अन्य धाराओं में आरोपी रनिया, इमरान, इरफान समेत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पश्चिम बंगाल पुलिस ने संदिग्ध लेनदेन के मामले में दबिश दी

मंडी धनौरा (अमरोहा)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने क्षेत्र के एक व्यक्ति के खाते में लाखों रुपये के संदिग्ध लेनदेन के मामले में दबिश दी है। इस संबंध में स्थानीय पुलिस किसी भी जानकारी से इन्कार कर रही है। हालांकि पश्चिम बंगाल पुलिस के आने की पुष्टि कर रही है। प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र कुमार ने बताया कि शुक्रवार की देर शाम पश्चिम बंगाल पुलिस ने थाने में आकर अपनी आमद दर्ज कराई। पश्चिम बंगाल पुलिस ने जानकारी दी कि वहां के किसी व्यक्ति का खाता गलत तरीके से क्षेत्र के एक युवक के खाते से संबद्ध हो गया है। पश्चिम बंगाल के खाताधारक के लाखों रुपये स्थानीय युवक के खाते में आ गए। अपने खाते में रुपये नहीं आने पर उस व्यक्ति ने बैंक में जानकारी की तो उसे मालूम पड़ा कि उसका खाता उत्तर प्रदेश के अमरोहा जनपद के थाना धनौरा क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक के खाते संबद्ध हो गया है।

गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें शिकायतों का निस्तारण, फरियादी को दोबारा न करनी पड़े भागदौड़

बस्ती। माह के तृतीय शनिवार को सदर तहसील में आयोजित समाधान दिवस में डीएम कृतिका ज्योत्सना और एसपी अभिनंदन ने सुनवाई की। इस बार शिकायतों के निस्तारण को लेकर डीएम के तेवर

सख्त रहे। उन्होंने मातहत अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि शिकायतों का निस्तारण गंभीरता के साथ गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। ताकि फरियादी बार-बार दौड़-भाग न करनी पड़े। समाधान दिवस में कुल 53 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इसमें राजस्व विभाग से संबंधित 14 प्रार्थना पत्र, पुलिस विभाग के 9, विकास विभाग 8, विद्युत विभाग 3, चकबंदी 5 तथा अन्य विभाग से संबंधित 14 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए। मौके पर कुल 12 शिकायतों का निस्तारण किया गया। एसपी अभिनंदन ने कहा कि पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए। अधिकारियों को सुझाव दिया कि अपने स्तर पर विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाले प्रार्थना-पत्रों की नियमित रूप से समीक्षा कर उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराएं। भानपुर तहसील में कुल 19 मामले दर्ज किए गए। एसडीएम हिमांशु कुमार ने सुनवाई की, इस दौरान एक भी मामले का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका। सर्वाधिक 10 शिकायतें राजस्व विभाग की रही। जबकि पुलिस की 5, सरयू नहर की 2 व चकबंदी व वन विभाग के एक-एक मामले दर्ज हुए। समाधान दिवस में अनुपस्थित रहे सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग, सहायक अभियंता लघु सिंचाई व सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण सल्टौवा से एसडीएम ने स्पष्टीकरण तलब किया है। रुधौली संवाद के अनुसार तहसील दिवस की अध्यक्षता सीडीओ सार्थक अग्रवाल ने किया। इस दौरान कुल 29 मामले आए, मौके पर चार प्रकरण निस्तारित किए गए। शेष 25 मामले संबंधित विभागों को स्थानांतरित किया गया। सीडीओ ने अधिकारियों को समय सीमा के भीतर निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में तहसीलदार रवि यादव, सीएमओ डॉ. राजीव निगम, डीएफओ डॉ. शिरीन, पीडी राजेश कुमार, एसडीएम सदर शत्रुहन पाठक, हसीलदार पंकज गुप्ता, सीओ स्वर्णिमा सिंह, पूर्ति निरीक्षक कुलभूषण श्रीवास्तव व अन्य मौजूद रहे।

प्रसव बाद 28 दिनों तक बेहतर तरीके से हो नवजात की देखभाल...कम होगी समस्या

बस्ती। नवजात शिशु देखभाल सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार को किया गया। सीएमओ कार्यालय के यूआईपी में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएमओ डॉ. राजीव निगम और संचालन एसीएमओ डॉ. एके गुप्ता ने किया। बताया कि यह अभियान 15 से 21 नवंबर तक चलाया जाएगा। सीएमओ ने कहा कि नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए शुरूआत के 28 दिन बेहद अहम होते हैं। शिशुओं का विशेष ख्याल रखना चाहिए। वरना कई गंभीर बीमारियों की जद में शिशु आ सकते हैं। शिशुओं को बाहर का दूध नहीं पिलाना चाहिए। डॉ. एके गुप्ता और डॉ. बृजेश शुक्ल ने कहा कि नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल के प्रति जन जागरूकता के लिए 15 से 21 नवंबर तक नवजात शिशु सप्ताह मनाया जा रहा है। इस विशेष सप्ताह का उद्देश्य नवजात स्वास्थ्य के महत्व को सुदृढ़ करना, शिशु मृत्यु दर को कम करना है। उन्होंने बताया कि नवजात को जन्म के तुरंत बाद न नहलाएं। जन्म के तुरंत बाद नवजात का वजन करें। जन्म के एक घंटे के भीतर मां का दूध पिलाएं। छह माह तक शिशु के स्तनपान कराएं। नियमित रूप से संपूर्ण टीकाकरण कराएं। शिशु को सर्दी से बचाएं। शिशु का कमरा प्रदूषण रहित हो। जच्चा-बच्चा घर से बाहर कम ही निकलें। छोटे बच्चों को नवजात शिशु से दूर रखें। स्तनपान कराते समय मां मास्क जरूर पहनें।

गैंगस्टर एक्ट के दोषी को पौने तीन साल की सजा

दो साल पुराने गैंगस्टर एक्ट के मामले में न्यायालय ने दोषी को 2 साल 8 महीने की सजा सुनाई है। साथ ही 10 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। फिलहाल दोषी जमानत पर जेल से बाहर था। यह मामला अमरोहा नगर कोतवाली से जुड़ा है। तत्कालीन इंस्पेक्टर हरीश वर्धन सिंह ने अमरोहा नगर कोतवाली में देहात थानाक्षेत्र के रायपुर खुर्द निवासी कासिम के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा एक मार्च 2023 दर्ज कराया था। इस मुकदमे की विवेचना इंस्पेक्टर अरविंद कुमार त्यागी ने की थी। बाद में पुलिस ने गैंगस्टर कासिम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

गोरखपुर में अन्तर-मण्डलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे के कार्मिक विभाग के तत्त्वावधान में 17 से 20 नवम्बर, 2025 तक रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में अन्तर-मण्डलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा, जिसमें 17 नवम्बर, 2025 को नाट्य प्रतियोगिता, 18 नवम्बर, 2025 को संगीत प्रतियोगिता, 19 नवम्बर, 2025 को नृत्य तथा 20 नवम्बर, 2025 को महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर के मुख्य अतिथ्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित की जायेगी। इस प्रतियोगिता में मुख्यालय तथा लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडलों के कलाकार भाग लेंगे।

पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्यालय, गोरखपुर में लाइव पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन 22 एवं 23 नवम्बर,2025 को

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा हर आयु वर्ग के लोगों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करने हेतु लाइव पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह पेंटिंग प्रतियोगिता 22 एवं 23 नवम्बर, 2025 को रेलवे ऑडिटोरियम, गोरखपुर में आयोजित किया जायेगा। प्रतियोगिता प्रतिदिन प्रातः 9.30 बजे से प्रारम्भ होगी। रंगों के माध्यम से कल्पनाशीलता को अभिव्यक्त करने के उद्देश्य से आयोजित इस पेंटिंग प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के लोग प्रतिभाग कर सकेंगे। इस पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गयी है। जिसमें प्रतिभागी का नाम, ई-मेल आई.डी., मोबाइल नम्बर, संक्षिप्त पता, संगठन/विद्यालय का नाम आदि भरना होगा। इच्छुक प्रतिभागी नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं: लाइव पेंटिंग प्रतियोगिता के संबंध में अधिक जानकारी हेतु मोबाइल नं.-9794840064 पर सम्पर्क कर सकते है।

अब न्याय मार्ग को संवारने की तैयारी...बीडीए को मिली जिम्मेदारी

बस्ती। बस्ती बदल रही है। शहर को सुंदर, स्वच्छ और विकसित बनाने में जिला प्रशासन भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कंपनीबाग चौराहे को चमकाने के बाद अब न्याय मार्ग की बारी है। कचहरी क्षेत्र में सबसे वीआईपी मूवमेंट वाली इस सड़क के कायाकल्प की योजना तैयार कर ली गई है। जिला प्रशासन की पहल पर नगर पालिका की इस सड़क को संवारने की जिम्मेदारी बीडीए को सौंपी गई है। बड़ेवन-कंपनीबाग फोरलेन की तरह कटरा से कचहरी चौराहे तक यह सड़क भी विकसित की जाएगी। दोनों तरफ सीसी नाले का निर्माण भी होगा। एक महीने पहले से ही न्याय मार्ग के नाम से चर्चित इस सड़क को नया स्वरूप देने के लिए जिला प्रशासन ने मंथन शुरू कर दिया था। डीएम की स्वीकृति के बाद इस सड़क संवारने के लिए बीडीए ने प्रस्ताव तैयार करना शुरू कर दिया है। हालांकि बीडीए के पास अवस्थापना मद के अलावा निर्माण के लिए और कोई व्यवस्था नहीं है। इसलिए तय हुआ है कि इस सड़क की कार्य योजना तैयार करके शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा। बीडीए पहली बार शासन ने किसी सड़क के उच्चीकरण के लिए बजट की डिमांड करेगा। अभी तक बीडीए ने मालवीय मार्ग की मरम्मत, कंपनीबाग और स्टेशन रोड पर नाला निर्माण जैसे दो बड़े कार्य अवस्थापना मद से किए हैं। इसके अलावा इंटरलॉकिंग और नाली निर्माण के छिटपुट कार्य हुए हैं।

पत्नी की हत्या कर बोला पति, उसकी लाश कबाड़ में फेंक दो

मेरठ। भूरारानी कॉलोनी में दिनदहाड़े महिला की हत्या से पड़ोसी भी दंग हैं। पत्नी की हत्या कर पति शव को फर्श पर छोड़कर ड्यूटी करने चला गया। जब घर पर मृतका का मुंहबोला भाई अंकित दिवाकर पहुंचा तो शव देखकर उसके होश उड़ गए। अंकित ने पहले पुलिस और फिर अनिल को फोन किया। हत्यारोपी अनिल ने उल्टा जवाब दिया कि वह मर गई है तो मैं क्या करूं। जाकर उसकी लाश को कबाड़ में फेंक दो। ये बातें अंकित ने घटनास्थल पर पहुंची पुलिस को बताईं। अंकित का कहना था कि मधु संस्कारवान थी। उसका एक भाई पुलिस विभाग में तैनात है। अनिल लंबे समय तक बेरोजगार था। दो महीने से ही वह काम पर जा रहा था। पत्नी खुद कंपनी में जॉब कर पति को पाल रही थी। छह महीने से दोनों के बीच अक्सर हाथापाई हो रही थी जिसका कारण अनिल का किसी दूसरी महिला से फोन पर बात करना था। मधु को यह बात बिल्कुल पसंद नहीं थी क्योंकि उसने अनिल से लव मैरिज की थी। अंकित के अनुसार बुधवार की सुबह अनिल व मधु लड़ाई कर रहे थे। उनकी पत्नी बीचबचाव कर चली गई। इसके बाद घर पर आकर खाना बनाया। 10 बजे पत्नी ने उसे मधु के घर भेजा और खाना खाने के लिए बुलाकर लाने के लिए कहा। जब वह घर पहुंचा तो मधु अचेत थी। उसकी सांसें थम चुकी थीं। जमीन पर पड़ी मधु को उसने उठाकर बेड पर रखा और उसके पति को फोन कर बुलाया। फोन पर पति ने कह दिया कि मर गई है तो लाश को कबाड़ में फेंक दो। हालांकि कुछ देर बाद हत्यारा कंपनी से वापस घर पहुंच गया। यहां पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।

महूघाट में बदमाशों ने युवक पर की ताबड़तोड़ फायरिंग

बस्ती। मनोरमा नगर वार्ड के महूघाट गांव में गौहनिया जाने वाले सड़क चौराहे पर शनिवार शाम बदमाशों ने एक युवक पर फायरिंग कर दहशत फैला दी। युवक बाल-बाल बच गया। वारदात के बाद हमलावर बाइक से बेलाड़े शुक्ल की तरफ फरार हो गए। गौहनिया निवासी विकास चौहान का महूघाट में फिजियोथेरेपी सेंटर व मेडिकल स्टोर है। शनिवार शाम करीब पौने सात बजे विकास का छोटा भाई विशाल चौहान मेडिकल स्टोर के बाहर एक अंडे की दुकान पर मौजूद था। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाशों ने उसे निशाना बनाकर फायर झोंक दिया। विशाल भागकर अपने भाई की दुकान की ओर दौड़ा, लेकिन बदमाशों ने बाइक से पीछा करते हुए उस पर लगातार कई राउंड फायरिंग की। हालांकि युवक को गोली नहीं लगी। प्रभारी निरीक्षक तहसीलदार सिंह ने फायरिंग की पुष्टि करते हुए बताया कि मामला जमीनी रंजिश से जुड़ा है केस दर्ज किया जा रहा है।

प्रेम प्रसंग के विरोध पर पत्नी की हत्या कर शव गंगनहर में फेंका, पति सहित पांच गिरफ्तार

मेरठ। छह महीने से लापता चल रही इंदिरापुरम कालोनी निवासी रीता (26) की हत्या कर शव गंगनहर में फेंका गया था। इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए परतापुर थाना पुलिस ने पति सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें पुलिस ने हत्यारोपी पति हरिनंदन, सास रामपरी, ससुर शंभुशरण, देवर दिपांशु और कार चालक प्रवेश शामिल हैं।

भारत-पाकिस्तान के बीच आज होगा मैच, जारी रहेगी हाथ नहीं मिलाने की नीति; वैभव पर नजरें

दोहा : भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ समय से रिश्ते अच्छे नहीं चल रहे हैं और इसका असर क्रिकेट के मैदान पर भी दिखा है। मैच के दौरान वैभव पाकिस्तान शाहीन्स के आक्रमण को स्तब्ध रखने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे। भारत और पाकिस्तान की युवा टीमों के बीच आज राइजिंग स्टार्स एशिया कप में आमना-सामना होगा। दोनों टीमों के बीच टी20 प्रारूप का यह मुकाबला भारतीय समयानुसार रात आठ बजे से दोहा में खेला जाएगा। इस मैच में एक बार फिर सभी की नजरें स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर टिकी होंगी जिन्होंने पिछले मैच में शानदार शतक लगाया था। बीसीसीआई की नीति का पालन करेगी टीम भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ समय से रिश्ते अच्छे नहीं चल रहे हैं और इसका असर क्रिकेट के मैदान पर भी दिखा है। सीनियर राष्ट्रीय टीम ने एशिया कप के दौरान पाकिस्तान के खिलाड़ियों के साथ हाथ नहीं मिलाया था जिस पर काफी विवाद हुआ था और अब जितेश शर्मा की।

लखनऊ ने रचा फिटनेस का नया इतिहास

ऊर्जा, एकता और उत्साह के संग सम्पन्न हुई एसके लखनऊ मैराथन 2025

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की सड़कों ने आज एक अभूतपूर्व उत्साह देखा, जब एसके लखनऊ मैराथन 2025 ने फिटनेस, सामुदायिक एकता और जागरूकता का एक शानदार उदाहरण पेश किया। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट (आईआईईएमआर), एसके फाइनेंस और संस्कृति युवा संस्थान द्वारा आयोजित इस मेगा इवेंट में देशभर से आए हजारों धावकों ने लखनऊ मुस्कराएगा भी, दौड़ेगा भी की थीम को सच्चे अर्थों में जीवंत किया। सुबह के ताजी हवा में सेलिब्रिटी गेस्ट रणविजय और योगा एसोसिएशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन श्री नीरज सिंह द्वारा फ्लैग-ऑफ किए जाने के साथ 1090 चौराहे से दौड़ की शुरूआत हुई, जिसने शहर की रफ्तार और जोश दोनों को नई ऊँचाई दी। महिलाएँ, युवा, प्रोफेशनल रनर्स, फिटनेस एंथुजिएस्ट और पहली बार दौड़ में शामिल होने वाले प्रतिभागियों ने तीन कैटेगरी 21 किमी, 10 किमी और 4 किमी में शानदार प्रदर्शन किया। हर कदम के साथ, ट्रैफिक अवेयरनेस, वुमन सेफ्टी और हेल्दी लिविंग का संदेश जमीन पर उतरता नजर आया। इवेंट में गेस्ट ऑफ ऑनर श्री नीरज सिंह और सेलिब्रिटी गेस्ट रणविजय की मौजूदगी ने युवा धावकों में अतिरिक्त जोश भर दिया। एसके फाइनेंस के होल टाइम डायरेक्टर यश सेतिया और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अमनप्रीत सिंह बत्रा और आईआईईएमआर निदेशक मुकेश मिश्रा की उपस्थिति ने आयोजन को और भी विशेष बना दिया। शहर के अनुभवी पेसरों अक्षय मेहता, अमित सिंह, माया, संजीव सज्जन, रचना जोशी, हामिद रजा और अजीत सिंह ने धावकों को समय के अनुसार गति बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 4 किमी की निशुल्क कैटेगरी में महिलाओं और विद्यार्थियों ने रिकॉर्ड भागीदारी दर्ज कराई, जिसने आयोजकों के सामाजिक संदेश को और मजबूत किया। रूट के विभिन्न हिस्सों पर लाइव म्यूजिक, वॉलंटियर्स की एनर्जी, फिटनेस एक्टिविटीज और दर्शकों के उत्साह ने हर धावक को प्रेरित किया। पूरा शहर आज मानो फिटनेस और सकारात्मकता के रंग में रंग गया था। 21 किमी और 10 किमी दोनों श्रेणियों में शीर्ष तीन विजेताओं को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विजेताओं के चेहरों की मुस्कान इस बात का प्रमाण थी कि मेहनत और समर्पण हमेशा फल देता है। 21 किमी हाफ मैराथन में पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान रजनीश, द्वितीय स्थान मनोहर निषाद तथा तृतीय स्थान कलाम सिंह बिष्ट ने प्राप्त किया। वहीं महिला वर्ग में रीना पटेल, प्रेमलता गुप्ता ने क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 10 किमी पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान इंद्रजीत, द्वितीय स्थान प्रदीप कुमार और तृतीय स्थान टी हूजन ने प्राप्त किया। महिला वर्ग में खुशबू पटेल, हर्षिता और प्रेक्षी विजेता रहे।

एसआईआर को लेकर लठैतवादी दलों का डरना अच्छी बात: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर लठैतवादी दलों का डरना अच्छी बात है। उपमुख्यमंत्री मौर्य ने समाजवादी पार्टी (सपा) का नाम लिए बगैर इशारों में हमला करते हुए कहा है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू होने के बाद लठैतवादी दलों में जो घबराहट दिख रही है, वह लोकतंत्र के लिए अच्छी बात है। केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए कहा कि लठैतवादी दलों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनर्निरीक्षण (एसआईआर) से डरना अच्छी बात है। अभी तक ऐसे दल लाठियों के

बल पर अपनी राजनीति चमकाते थे। लेकिन एसआईआर जैसे नेक कार्य के बाद ऐसे दलों की राजनीति पर हमेशा के लिए विराम लग जाएगा। गौरतलब है कि एसआईआर को लेकर एक दिन पूर्व बिहार विधानसभा चुनाव के रुझान को लेकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा था कि बिहार में जो खेल एसआईआर ने किया है, वह अब देश के अन्य राज्यों में दोहराया नहीं जा सकेगा। उन्होंने दावा किया कि इस साजिश का भंडाफोड़ हो चुका है और आने वाले समय में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश सहित किसी भी राज्य में भाजपा ऐसी रणनीति लागू नहीं कर पाएगी। यादव ने इसेपीपीटीवी (पीडीए प्रहरी टीवी) श्बताते हुए कहा कि जैसे सीसीटीवी हर गतिविधि को रिकॉर्ड करता है, वैसे ही पीडीए प्रहरी बूथ से लेकर मतगणना तक हर स्तर पर सतर्क रहकर लोकतंत्र की रक्षा करेगा। उन्होंने कहा, भाजपा दल नहीं, छल है। लेकिन अब छल की राजनीति सफल नहीं होगी।

माया‌वती ने बिहार चुनाव की निष्पक्षता पर उठाया सवाल, सीटों को लेकर कह दी बड़ी बात

लखनऊ। बिहार में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर बसपा मुखिया मायावती ने चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर चुनाव पूरी तरह से स्वतंत्र और निष्पक्ष होते तो बसपा और सीट जरूर जीतती। बिहार विधानसभा चुनाव में कुल 243 सीट में बसपा को मात्र एक सीट पर जीत मिली है। बसपा प्रमुख मायावती ने एक्स पर लिखा, मैं बिहार विधानसभा के हाल में हुए चुनाव में कैमूर जिले की रामगढ़ विधानसभा सीट पर बसपा के उम्मीदवार सतीश कुमार सिंह यादव को जीत दिलाने के लिये पार्टी के सभी सदस्यों को बधाई देती हूं तथा उनका तहेदिल से आभार प्रकट करती हूं। उन्होंने कहा कि वहां के प्रशासन एवं सभी विरोधी दलों ने मतों की गिनती बार-बार कराने के बहाने बसपा उम्मीदवार को हराने का पूरा प्रयास किया लेकिन पार्टी के बहादुर कार्यकताओं के पूरे समय डटे रहने के कारण विरोधियों का यह षड्यंत्र सफल नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि बिहार के इस क्षेत्र की अन्य सीट पर विरोधियों को काटे की टक्कर देने के बावजूद बसपा उम्मीदवार चुनाव नहीं जीत सके जबकि अगर चुनाव पूरी तरह से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष होता तो लोगों से मिली प्रतिक्रिया के अनुसार बसपा और भी कई सीट जरूर जीतती। उन्होंने कहा कि लेकिन ऐसा नहीं हो सका। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकताओं से कहा कि वे घबराए नहीं तथा आगे और भी अधिक तैयारी के साथ काम करें। बिहार में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने शुक्रवार को बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में 202 सीट जीतकर शानदार जीत दर्ज की। भारतीय जनता पार्टी 89 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी।

500 लोगों ने कुत्तों के लिए बनाई मानव श्रृंखला, आवारा नहीं, हमारा है का नारा लगाया

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में करीब 500 लोगों ने कुत्तों के लिए मानव श्रृंखला बनाई गई। रविवार को हजरतगंज के मोती लॉन में करीब आधा दर्जन संस्थाओं के लोग, छात्रों ने स्ट्रीट डॉग्स के लिए आवाज उठाई। स्लोगन और नारे लिखी तख्तियां लेकर नारेबाजी की। इन तख्तियों पर सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश का विरोध किया गया। लोगों ने सुप्रीम कोर्ट ऑर्डर रद्द करो, डॉग्स के साथ अन्याय करने वालों को पनिश करो, आवारा नहीं, हमारा है नारा लगाया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का स्ट्रीट डॉग को लेकर दिया गया आदेश बेहद अफसोसजनक है। हम लोग इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से बेजुबानों की आवाज बने हैं जो अपना दर्द कह नहीं सकते। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद शहरों में नगर निकायों ने स्ट्रीट डॉग्स के साथ क्रूरता शुरू कर दी है। इस पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग की। पूछा कि अगर कहीं किसी घटना में एक स्ट्रीट डॉग बाइट कर लेता है तो वह सबको दिखता है। मगर हर दिन जो डॉग्स के साथ क्रूरता होती है वह नजर क्यों नहीं आती? सुप्रीम कोर्ट ने 7 नवंबर को आवारा कुत्तों को स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और बस स्टैंड से दूर रखने के आदेश दिए। कहा स्कूल-कॉलेज और अस्पतालों में बाड़ लगाई जाए, ताकि कुत्ते वहां न पहुंच सकें। कुत्ते पहुंचें तो उन्हें पकड़ें। पकड़े गए आवारा कुत्तों को शेल्टर होम में रखा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि स्कूलों, अस्पतालों, खेल परिसरों, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों जैसे संस्थागत क्षेत्रों में बार-बार डॉग बाइट की घटनाएं सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि सिस्टम की विफलता दिखाती हैं। कोर्ट ने सभी नेशनल और स्टेट हाईवे से आवारा पशु हटाने का आदेश भी दिया। सभी राज्यों के मुख्य सचिव इन आदेशों का सख्ती से पालन कराने को कहा है। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसी घटनाएं पब्लिक सेफ्टी, पर्यटन और देश की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा रही हैं। इस मामले में 3 हफ्ते में स्टेटस रिपोर्ट और हलफनामा मांगा गया है। अगली सुनवाई 13 जनवरी 2025 को होगी। प्रदर्शन कर रही नेहा ने कहा कि प्रदर्शन करना उद्देश्य नही है बल्कि हम समस्या का समाधान चाहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय से गली के कुत्तों को स्थायी आश्रय देने संबंधी आदेश को वापस लेने की मांग है। ठब नियम 2001, के अनुसार पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रमों के लिए धन और दक्षता बढ़ाई जाए। रेबीज टीकाकरण को 100: सुरक्षित करने के लिए व्यापक रूप से अभियान चलाया जाए। समाज में कुत्तों की देखभाल अधिक हो इसके साथ ही कुत्तों को गोद लेने की पहल को भी समर्थन करना चाहिए। स्ट्रीट डॉग्स के साथ सकारात्मक रवैया अपनाना चाहिए। जीव आश्रय संस्था से प्रदर्शन में शामिल अमित ने कहा ये फैसला तानाशाही । जो चीज आपको नहीं चाहिए उसके खिलाफ फैसला दे दो यह मानवता और न्याय बिल्कुल भी नहीं है। यह फैसला पूरी तरीके से गलत है। इन बेजुबान जानवरों के साथ गलत हो रहा है ।

हम वोट चोरी के प्रमाण जनता के सामने लाते रहेंगे: कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत

लखनऊ। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी महाराष्ट्र से लेकर हरियाणा और अब बिहार में वोट चोरी का मुद्दा उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था। अब कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने कहा है कि हम वोट चोरी के प्रमाण जनता के सामने लाते रहेंगे। दरअसल राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा था कि मैं बिहार के उन करोड़ों मतदाताओं का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने महागठबंधन पर अपना विश्वास जताया। बिहार का यह परिणाम वाकई चौंकाने वाला है। हम एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके, जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था। यह लड़ाई संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन इस परिणाम की गहराई से समीक्षा करेंगे और लोकतंत्र को बचाने के अपने प्रयासों को हम और अधिक प्रभावी बनाएंगे। रविवार को कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने एनडीए पर निशाना साधते हुए कहा कि आप जिस जीत का दावा कर रहे हैं, वह लोकतंत्र पर एक धब्बा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण जीत किसी न किसी तरह से लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं को कमजोर कर रही है। हम जनता के सामने इस कथित श्वोट चोरीश का पदार्फाश करते रहेंगे। सोनभद्र में शनिवार रात हुए माइनिंग के दौरान हुए हादसे पर कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि इस हादसे में सरकार को पीड़ितों की मदद के लिए तुरंत एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भेजनी चाहिए। हम फंसे हुए मजदूरों की कुशलता की प्रार्थना करते हैं। हादसे के लिए जो भी जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ कठोरता से कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि खनन नीति में सरकार को सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए।अखलाक हत्याकांड से जुड़े एक सवाल पर कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि अखलाक को किसने मारा? किसी ने तो मारा होगा। मौत तो हुई थी ना? उत्तर प्रदेश सरकार, पुलिस और भाजपा को इसका जवाब देना होगा। दरअसल 28 सितंबर 2015 को उत्तर प्रदेश में दादरी के बिसाहड़ा गांव में हुई भीड़ ने मोहम्मद अखलाक नाम के एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। अखलाक के घर में गोमांस रखे होने की अफवाह के बाद लोगों का गुस्सा सांतवें आसमान पर जा पहुंचा था।

राजधानी में दौड़ीं विश्वयुद्ध से पहले की बाइक-कारें

एक्ट्रेस आशा पारेख की कार भी आई

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को सड़क पर अलग ही रौनक देखने को मिली। 40 विंटेज कार और 5 विंटेज बाइक दौड़ीं तो देखने वालों की भीड़ लग गई। लोगों ने बाइक-कारों के साथ सेल्फी ली। यह रैली ट्रैफिक अवेयरनेस के लिए निकाली गई। इसमें एक्टर आशा पारेख की कार भी नजर आई। इसके अलावा, द्वितीय विश्व युद्ध के पहले की कार-बाइकें शामिल हुईं। 104 साल पुरानी की बेबी ऑस्टिन और 1927 की फोर्ड का जलवा देखने को मिला। रैली हजरतगंज चौराहे से शुरू होकर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में खत्म हुई। गृह विभाग के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने हरी झंडी दिखाकर रैली की शुरूआत की। विंटेज कार रैली का यह एडिशन काफी शानदार है। यह कम्युनिटी काफी वाइब्रेंट है। इन गाड़ियों को काफी अच्छे तरीके से बनाया गया। इनके मेंटेनेंस में पैसा और मेहनत लगती है। इसके बाद भी यह गाड़ियां अच्छी कंडीशन में हैं। इन लोगों ने अपने पैशन को लोगों के सामने रखा है। रैली से रोड सेफ्टी के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। विंटेज कार के शौकीन अब्दुल हफीज ने कहा, मेरे पास 1927 मॉडल की फोर्ड कार है। फोर्ड आज भी मस्त चलती है। फहद अली ने कहा, मेरे पास द्वितीय विश्व युद्ध से पहले की ठै। बाइक है। यह बाइक इंग्लैंड के सैनिक इस्तेमाल करते थे। अनुज राजपूत ने बताया, उनके बड़े पिता ने फिल्म अभिनेत्री आशा पारेख से यह विंटेज कार खरीदी थी। आशा पारेख ने उस समय कह दिया था कि यह कार खराब है। परिवार ने तब से अब तक इसे संभालकर रखा है। राजीव कुमार यादव के पास में 1923 की बेबी ऑस्टिन कार है। 1989 से यह कार उनके पास में है। वह इसका इस्तेमाल सिर्फ अपने कामकाज के लिए करते हैं। उनकी कार विंटेज कार रैली में शामिल हुई। विंटेज कार के

शौकीन अब्दुल हफीज ने कहा मेरे पास 1927 मॉडल की फोर्ड कार है। फोर्ड आज भी मस्त चलती है। फहद अली के पास में वर्ल्ड वार 2 के पहले की बीएसए बाइक है। यह बाइक इंग्लैंड के सैनिक उपयोग करते थे। वह इस बाइक के साथ रैली में शामिल हुए। गोपाल का कहना है कि हर बार की तरह इस बार भी विंटेज कार देखने आए हैं। हमारे दोस्त के पास में विंटेज कार है। उन्होंने हमें आमंत्रित किया था। अनुज राजपूत ने बताया कि उनके बड़े पिता ने फिल्म अभिनेत्री आशा पारेख से विंटेज कार खरीदी थीं। आशा पारेख ने उन्होंने कह दिया था कि यह कार खराब है। बड़े पिता ने उसे खरीद लिया था। परिवार ने उसे बहुत ही संभाल कर अब तक रखा है।

चलती फॉर्च्यूनर में लगी आग,दो भाइयों ने कूदकर बचाई जान

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर में चलती फॉर्च्यूनर गाड़ी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। कार सवार दो भाइयों ने गाड़ी से कूद कर अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने करीब 20 मिनट में आग पर काबू पाया। गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह जल गया। आलमबाग निवासी जसदीप और हरदीप सिंह के लिए शनिवार की रात अपनी फॉर्च्यूनर (यूपी 32 एनएन 7088) से चिनहट की ओर से घर लौट रहे थे। कार जसदीप चला रहे थे। जैसे ही गाड़ी गोमती नगर हैनीमैन चौराहे की तरफ बढ़ी तभी अचानक बोनट से तेज स्पार्किंग हुई और कुछ ही पलों में आग की लपटें उठने लगीं। पीछे बैठे हरदीप ने धुआं देखा तो तुरंत जसदीप को गाड़ी रोकने के लिए कहा। फॉर्च्यूनर सड़क किनारे लगते-लगते आग तेज हो चुकी थी।

मुस्लिम समाज की शिक्षा, अर्थव्यवस्था और सशक्तिकरण के विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

लखनऊ। एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (एएमपी) द्वारा इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया, ईदगाह, लखनऊ में मुस्लिमों की शिक्षा, अर्थव्यवस्था और सशक्तिकरण विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। सम्मेलन में कश्मीर से कन्याकुमारी तक के प्रतिष्ठित वक्ताओं, विद्वानों और प्रतिनिधियों ने भाग लेकर इसे राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। सम्मेलन की प्रमुख विशेषताओं में से एक था इंटेग्रल यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रो. वसीम अख्तर को शिक्षा और सामुदायिक विकास में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए लाइफटाइम एचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया जाना। दूसरा सत्रः एक बेहतर कल की ओर दूसरे सत्र का विषय एक बेहतर कल की ओर था, जिसमें समुदाय के विकास और राष्ट्र निर्माण हेतु 25 वर्षीय रोडमैप पर चर्चा की गई। इस सत्र को मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, आमिर इदरीसी, प्रो. वसीम अख्तर, प्रो. अली अब्बास (वाइस चांसलर, एरा यूनिवर्सिटी), केरल से मुनव्वर थंगल और पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त वजाहत हबीबुल्लाह ने संबोधित किया। वक्ताओं ने जोर दिया कि शिक्षा और आर्थिक विकास के मैदान में लगातार मिलकर काम करने से ही सार्थक परिवर्तन सम्भव है। उन्होंने शैक्षणिक उत्थान, कौशल विकास, आर्थिक प्रगति और सामुदायिक सशक्तिकरण को मजबूत करने का संकल्प दोहराया, जिससे राष्ट्र एक समावेशी और समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ सके। तीसरा सत्रः इनोवेशन और साझेदारी का मंच इस सत्र में संस्थाओं के बीच सहयोग को मजबूत करने और समुदाय विकास के लिए रचनात्मक तरीकों को अपनाने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने नवाचार और नई साझेदारियां बनाने को समय की आवश्यकता बताया। चौथा सत्रः जकात और वकफ इस सत्र को मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, जस्टिस बी. डी. नकवी, अकरमुल जब्बार (पुणे), ले. जनरल जमीरुद्दीन शाह, ले. अहमद अली, डॉ. अब्दुल कदीर (कर्नाटक), उवाइस सुरेशवाला (गुजरात) और मिस आयशा महमूद ने संबोधित किया।

चुनाव आयोग का मुल्क भर में एसआईआर अभियान की तैयारी, उत्तर प्रदेश में काम जारी

लखनऊ । राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्त्ता संगठन के संयोजक मुहम्मद आफाक ने एक बयान में कहा कि चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने राष्ट्रीय स्तर पर मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा (एसआईआर) के संबंध में राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से मुलाकात थी। इस बैठक में आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची को दुरुस्त करने और मुल्क भर में एसआईआर की योजना को अंतिम रूप देने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग का मुख्य उद्देश्य पुराने और गलत रिकॉर्ड को हटाकर मतदाता सूची को अद्यतन करना है। इसलिए, मैं सभी राजनीतिक और सामाजिक संगठनों, खासकर जो कंप्यूटर चलाते हैं या ऑनलाइन फॉर्म भरने का ज्ञान रखते हैं, से अपील हैकि वे इस मामले को गंभीरता से लें और परेशान लोगों की मदद करें। बिहार चुनाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में महागठबंधन की हार एसआईआर का मुद्दा नहीं है, बल्कि हारने वाली पार्टियों को खुद सोचना होगा कि वे कहाँ चूक कर रही हैं। उन्होंने कहा कि दरअसल, चुनाव लड़ने के लिए कई छोटी-छोटी पार्टियाँ खड़ी हो जाती, जिनका मकसद कम जीतना नहीं, बल्कि हराना जियादा होता है।

ताजा खबर...

फेमिना मिस इंडिया के हाथों कॉपी-किताब पाकर खिल उठे स्लम एरिया बच्चों के चेहरे

लखनऊ। सामाजिक संस्था आशा वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में आज प्रातःकाल इंदिरा नगर, लखनऊ में आयोजित एक समारोह में स्लम एरिया के बच्चों को फेमिना मिस इंडिया 2024 निकिता पोरवाल ने कॉपी-किताब (पठन-पाठन सामग्री) बांट कर उनको शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। समारोह में फेमिना मिस इंडिया निकिता पोरवाल ने स्लम एरिया के 3व बच्चों को उनको पढ़ने-लिखने के कॉपी-किताब और पेन- पेन्सिल बांट कर पढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में आशा वेलफेयर कुटीर उद्योग की 20 महिला कार्यकताओं को वस्त्र भेंट कर उनको स्वावलंबी बनने के लिए उनका आान किया इसके पूर्व आशा वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्ष सोनी वर्मा ने फेमिना मिस इंडिया निकिता पोरवाल को पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर आशा सेवा सम्मान से सम्मानित किया। इस अवसर पर वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. एम.पी. श्रीवास्तव, ज्योति मल्होत्रा, राहिला खान, विभा श्रीवास्तव, किरन सक्सेना, रूचि श्रीवास्तव, अनीता सक्सेना सहित संस्था के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान निकिता पोरवाल ने स्लम एरिया के बच्चों के बीच केक काटकर अपना जन्मदिन भी मनाया।

उत्तर-पश्चिमी हवाओं से ठंड बढ़ी, कानपुर-बाराबंकी समेत कई जिलों में शीतलहर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दिन और रात का तापमान सामान्य से काफी नीचे रहने की वजह से बीती रात इटावा, बरेली, कानपुर, बाराबंकी एवं अमेठी में शीतलहर का असर दिखाई दिया हैं। मौसम विभाग के अनुसार आगामी 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में हल्की मौसमी गिरावट होने की संभावना है। जिसके चलते रात एवं भोर के समय प्रदेश के मध्यवर्ती भागों में 16 नवंबर तक आंशिक शीतलहर की स्थिति बरकरार रह सकती है। वहीं सोमवार से हवाओं की दिशा परिवर्तन के साथ तापमान में गिरावट कम होगी। मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ.एके सिंह ने कहा कि प्रदेश में इस समय कोई सक्रिय मौसम तंत्र मौजूद नहीं है, लेकिन पश्चिमी हिमालयीय क्षेत्रों से आ रही ठंडी एवं शुष्क उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण रात के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की जा रही है। आसमान साफ रहने की वजह से रात में विकिरणीय शीतलन बढ़ गया है, वहीं मध्य भारत पर बने प्रतिचक्रवात के प्रभाव से ठंडी हवाओं के अधोगमन ने भी प्रदेश के मौसम को और अधिक शीतल बना दिया है। उन्होंने कहा कि इन सम्मिलित प्रभावों के परिणामस्वरूप पिछले कुछ दिनों से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में दिन और रात दोनों तापमान सामान्य से काफी नीचे बने हुए हैं। हालाँकि दिन में धूप निकलने के बाद शीतलहर का प्रभाव काफी हद तक कम हो जाएगा, लेकिन इस अवधि में अधिकतम तापमान भी सामान्य से 1-4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 17 नवंबर से हवाओं के दिशा परिवर्तन के साथ तापमान में गिरावट की यह प्रवृत्ति थमने लगेगी तथा ठंड में थोड़ी कमी महसूस होगी। इससे प्रदेश को शीतलहर जैसी स्थितियों से आंशिक राहत मिलने की उम्मीद है। इसी दौरान प्रातःकालीन घंटों में हल्की धुंध व कहीं-कहीं हल्का कोहरा भी पड़ सकता है।

34 पीपीएस अफसरों की ट्रेनिंग पूरी, हुई तैनाती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में प्रशिक्षण ले रहे 34 पीपीएस अफसरों की ट्रेनिंग पूरी हो गई। योगी सरकार ने सभी 34 पीपीएस अफसरों को जिलों में तैनात दे दी है। इनमें 30 अफसरों को सीओ बनाकर भेजा गया है जबकि चार अफसरों को कमिश्नरेट में सहायक पुलिस आयुक्त पद पर तैनात किया गया है। बसंत सिंह को महाराजगंज, संकल्प दीप कुशवाहा को एटा, प्रतिज्ञा सिंह को बांदा, नारायण दत्त मिश्रा को बहराइच, ऋतिक कपूर को सुलतानपुर, अभिमन्यु त्रिपाठी को लखीमपुर खीरी, पीयूष कुमार पाण्डेय को झांसी, क्रिश राजूपत को मऊ, गायत्री यादव को मजार्पुर, मनोज कुमार गंगवार को औरैया, सुधीर सिंह को मेरठ, जयंत यादव को कुशीनगर, रोहिनी यादव को सिद्धार्थनगर, प्रभा पटेल को हरदोई, आकृति पटेल को पीलीभीत, अभय कुमार वर्मा को फतेहगढ़, अभिषेक कुमार को सीतापुर, अनुभव राजर्षि को गाजीपुर, आकांक्षा गौतम को बिजनौर, शुभम वर्मा को शाहजहांपुर, अमित कुमार संतकबीरनगर, देशहराज सिंह बलिया, दीपशिखा को मेनपुरी, कुलदीप सिंह यादव को बस्ती, अवनीश कुमार सिंह को इटावा शशांक श्रीवास्तव को बुलंदशहर, गौरव उपाध्याय को महोबा, मयंक मिश्रा को अयोध्या विनी सिंह को उन्नाव, अपूर्वा पाण्डेय को यूपी 112 लखनऊ में पुलिस उपाधीक्षक बनाकर भेजा गया है। शशि प्रकाश मिश्रा को सहायक पुलिस आयुक्त लखनऊ, हरेकृष्ण शर्मा को सहायक पुलिस आयुक्त आगरा, अरुण पाराशर को सहायक पुलिस आयुक्त प्रयागराज, अपूर्व पाण्डेय को सहायक पुलिस आयुक्त वाराणसी बनाया गया है।

डायबिटीज जागरूकता के लिए 6 हजार ने लगाई दौड़

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार सुबह आओ चलें 4.0 वॉकथॉन का आयोजन हुआ। इसमें करीब 6 हजार से ज्यादा लोगों ने शिरकत किया। मधुमेह से लड़ें थीम पर आधारित इस इवेंट में बड़ी संख्या में लोग फिटनेस को लेकर अवेयरनेस बढ़ाते दिखे। शहर के एलडीए कॉलोनी स्थित अपोलो मेडिक्स हॉस्पिटल की तरफ से इसका आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ यूपीनेडा के डायरेक्टर इंद्रजीत सिंह ने किया। सुबह 6 बजे शुरू हुए इस आयोजन की शुरूआत जुम्बा और वॉर्म-अप सत्र से हुई, जिसमें हर उम्र के प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया। इसके बाद हेल्थ वॉक और स्पोर्ट्स बाइक राइड के जरिए प्रतिभागियों ने मधुमेह नियंत्रण और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश पहुंचाने का संकल्प लिया। डॉ. अभिषेक यादव ने कहा कि स्वस्थ लिवर हमारे शरीर की ऊर्जा और मेटाबॉलिज्म का केंद्र है। डायबिटीज जैसी लाइफस्टाइल बीमारियां लिवर पर सीधा असर डालती हैं, इसलिए नियमित व्यायाम और संतुलित खानपान न सिर्फ शुगर कंट्रोल के लिए बल्कि लिवर को स्वस्थ रखने के लिए भी बेहद जरूरी है। अपोलो मेडिक्स के एमडी डॉ. मयंक सोमानी ने कहा कि आओ चलें वॉकथॉन सिर्फ एक इवेंट नहीं, बल्कि सेहत के प्रति सामूहिक जागरूकता का आंदोलन है।

दिव्य कला मेले का केंद्रीय मंत्री करेंगे शुभारंभ

लखनऊ,16 नवम्बर 2025 (यूएनएस)। लखनऊ विश्वविद्यालय कैंपस में रविवार को दिव्य कला मेले के दूसरे दिन केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा ने इसका औपचारिक शुभारंभ करेंगे। रविवार शाम साढ़े 5 बजे कार्यक्रम का आगाज होगा। 9 दिन तक चलने वाले इस मेले का शनिवार को आगाज हुआ था। दिव्यांग बच्चों की शिल्प, कला और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की आकर्षक प्रदर्शनी के 60 स्टॉल इस मेले में सजाए गए हैं। मेला रोज सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक चलेगा।

संपादकीय

भारतीय सेना की उपबल्धि मोनो रेल सिस्टम

जहां सांस लेना भी मुश्किल, वहीं भारतीय सेना ने मोनोरेल चलाकर इतिहास रचा है। यह सिस्टम अरुणाचल के कमेंग सेक्टर में गजराजध्4 कॉर्प्स द्वारा विकसित किया गया है। यह मोनोरेल एक ट्रिप में 300 किलो से ज्यादा भार ढो सकती है। वह भी उन स्थानों पर जहां पैदल चलना दुभर और जो सड़क विहीन और हेलिकॉप्टर की पहुच से दूर है। मोनोरेल सिस्टम जो भोजन, दवा, गोला-बारूद और जरूरी उपकरणों को बेहद कठिन स्थानों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगा। मोनोरेल एक परिवहन प्रणाली है जिसमें ट्रेनें एक ही पटरी या रेल पर चलती हैं, जो आमतौर पर जमीन से काफी ऊपर होती है। यह दोहरी पटरियों वाली पारंपरिक रेलवे के विपरीत है। मोनोरेल या तो एक बीम पर ऊपर से चलती है या उसके नीचे से लटकती है। शहर में भीड़भाड़ वाले इलाकों में यातायात को सुगम बनाने के लिए इस्तेमाल की जाती है। मोनोरेल को जमीन से न्यूनतम 5.5 मीटर की ऊँचाई पर खंभों पर खड़ा किया जाता है। यह मैग्लेव (चुंबकीय उत्तोलन) प्रणाली के सिद्धांत पर काम करता है। ये अत्यधिक स्थिर होते हैं और तेज गति से भी तेजी से गति कम करने में मदद करते हैं। पहला मोनोरेल प्रोटोटाइप 1820 में इवान एल्मानोव द्वारा रूस में बनाया गया था। पारंपरिक रेलवे के विकल्प के रूप में मोनोरेल बनाने के प्रयास 19वीं सदी के शुरूआती दौर से ही किए जा रहे हैं। सेंटेनियल मोनोरेल को 1876 में फिलाडेल्फिया में सेंटेनियल प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया था। इसके डिजाइन के आधार पर ब्रैडफोर्ड और फोस्टर ब्रुक रेलवे का निर्माण 1877 में किया गया था और यह जनवरी 1878 से जनवरी 1879 तक एक वर्ष तक चला था। 1879 के आसपास हैडन और स्ट्रिंगफेलो द्वारा स्वतंत्र रूप से एक वन-रेल प्रणाली प्रस्तावित की गई थी। इसका उद्देश्य सैन्य उपयोग के लिए था, लेकिन इसे सस्ते रेलवे के रूप में नागरिक उपयोग के लिए भी देखा गया था। इसी तरह, व्यावहारिक रूप से उपयोग में लाई गई पहली प्रणालियों में से एक फ्रांसीसी इंजीनियर चार्ल्स लार्टिग की थी, जिन्होंने आयरलैंड में बैलीबूनियन और लिस्टोवेल के बीच एक लाइन बनाई थी, जो 1888 में खुली और 36 साल तक चली, जिसे 1924 में बंद कर दिया गया वह इसलिए कि आयरलैंड के गृहयुद्ध से हुए नुकसान के कारण। इसमें भार वहन करने वाली एक रेल और संतुलन के लिए दो निचली, बाहरी रेल का इस्तेमाल किया गया।बॉयंटन साइकिल रेलमार्ग, न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड स्थित ब्रुकलिन में एक भाप से चलने वाली मोनोरेल थी । यह जमीनी स्तर पर एक ही भार वहन करने वाली रेल पर चलती थी, लेकिन इसके ऊपर एक लकड़ी की स्थिर रेल लगी होती थी जो क्षैतिज रूप से विपरीत पहियों की एक जोड़ी से जुड़ी होती थी। यह रेलमार्ग 1890 से शुरू होकर केवल दो वर्षों तक ही चला। यही नही हॉचकिस साइकिल रेलमार्ग एक मोनोरेल था जिस पर मैचिंग पैडल वाली साइकिल चलाई जा सकती थी। इसका पहला उदाहरण 1892 में स्मिथविले और माउंट होली, न्यू जर्सी के बीच बनाया गया था। यह 1897 में बंद हो गया। इसके अन्य उदाहरण 1895 से 1909 तक नॉरफॉक,ग्रेट यारमाउथ और 1896 से ब्लैकपूल यूके में बनाए गए। अरुणाचल के कमेंग सेक्टर में भारतीय सेना की गजराज कॉर्प्स ने 16 हजार फीट की ऊंचाई पर स्वदेशी मोनोरेल सिस्टम को लेकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भारतीय सेना की तारीफ करते हुए लिखा कि ये स्वदेशी प्रतिभा का प्रमाण है। अरुणाचल प्रदेश के दुर्गम हिमालयी इलाकों में तैनात भारतीय सैनिकों के लिए बड़ी राहत देने वाला नवाचार सामने आया है। 16 हजार फीट की ऊंचाई पर सेना ने ऐसा स्वदेशी मोनोरेल सिस्टम तैयार किया है, जो बर्फ से ढके, खतरनाक और बिना सड़क वाले इलाकों में सप्लाई पहुंचाने के काम को पहले से कहीं तेज और सुरक्षित बनाएगा। यह सिस्टम किसी तकनीकी प्रयोगशाला में नहीं, बल्कि सीधे मैदान में सैनिकों की जरूरतों को देखते हुए विकसित किया गया है।यह सिस्टम अब सेना की नई ताकत बन गया है। अरुणाचल प्रदेश के कई दूरस्थ क्षेत्रों में न तो सड़कें हैं और न ही पारंपरिक वाहन चलाने की कोई सुविधा। संकरे पहाड़ी रास्ते, टूटते पत्थर, अचानक बदलता मौसम और कम ऑक्सीजन स्तर सैनिकों के लिए बड़ी समस्या रहे हैं। कई बार उन्हें भारी सामान अपनी पीठ पर लादकर लंबे-लंबे रास्ते तय करने पड़ते थे। ऐसे इलाकों में एक छोटा सफर भी काफी जोखिम भरा और समय लेने वाला साबित होता था। मोनोरेल सिस्टम अब इन सभी चुनौतियों को काफी हद तक कम कर देगा। यह तेज, सुरक्षित और ऊर्जा-किफायती तरीका है, जिससे आगे की पोस्टों तक आपूर्ति पहुंचाना बेहद आसान होगा। सेना का मानना है कि इससे न सिर्फ समय की बचत होगी, बल्कि सैनिकों पर बोझ भी कम होगा और ऑपरेशन के दौरान जोखिम भी घटेगा। जरूरत पड़ने पर यह सिस्टम घायल जवानों को निकालने यानी कैजुअल्टी इवैक्यूएशन में भी मदद करेगा। गजराज कॉर्प्स, जिसे भारतीय सेना का 4 कॉर्प्स भी कहा जाता है, पूर्वी सेक्टर में तैनात एक महत्वपूर्ण फॉर्मेशन है। इसका गठन 4 अक्टूबर 1962 को भारत-चीन युद्ध के दौरान किया गया था। इसका मुख्यालय असम के तेजपुर में स्थित है। यह कॉर्प्स पारंपरिक लड़ाकू ऑपरेशनों के साथ-साथ काउंटर-इंसर्जेंसी मिशनों की भी जिम्मेदारी संभालती है।

बिहार चुनाव, महिलाएं मूक दर्शक नहीं ,निर्णायक नेतृत्व कारी शक्ति

महागठबंधन के लिए महिलाओं का समूह चुनौतीपूर्ण है। तेजस्वी यादव ने चुनावी समय में माई बहिन मान योजना की घोषणा की, जिसमें हर महिला को सालाना 30,000 रुपये देने का वादा किया गया था। लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि यह वादा भाजपाद्दजदयू की पहले से चल रही और हो चुकी योजनाओं की तरह भरोसेमंद नहीं दिखा। इसके अलावा, विपक्ष ने सरकार पर आरोप लगाया है कि चुनाव से ठीक पहले महिलाओं को 10,000 रुपये भेजना चुनावी स्टंट जैसा कदम है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी ने उन्हें केवल वोटर्स की श्रेणी से ऊपर उठाकर राजनीतिक निर्णायक शक्ति बना दिया है। अधिकांश सीटों पर महिला मतदान प्रतिशत पुरुषों से कहीं अधिक रहा, जिससे भाजपाद्दजदयू को रणनीतिक बढ़त मिली।बिहार में पारंपरिक तौर पर राजनीति जाति आधारित रही है। लेकिन महिलाएं अब एक नए लिंग-आधारित राजनीतिक सक्रियता को जन्म दे रही हैं।

संजीव ठाकुर

पिछले कुछ चुनावों में बिहार में महिलाओं की मतदान भागीदारी बढ़कर एक निर्णायक शक्ति बन गई है। 2025 की विधानसभा चुनावों में, महिलाओं की भागीदारी ऐतिहासिक स्तर पर पहुंचीरू महिलाओं का मतदाताओं का प्रतिशत 71.6ः तक पहुंच गया, जबकि पुरुषों का यह आंकड़ा 62.8ः था। यह मतदाता समूह केवल वोट देने तक सीमित नहीं रहा बल्कि वह अब उन नीतियों और वादों का केंद्र बिंदु बन गया है, जिन्हें राजनीतिक दल न सिर्फ चुनावी जीत के लिए, बल्कि दीर्घकालीन सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के साधन के रूप में देखते हैं। विश्लेषकों के अनुसार, लगभग 47ः बिहार की कुल मतदाता संख्या महिलाएं हैं (करीब 3.5 करोड़), जो उन्हें बेहद महत्वपूर्ण चुनावी ताकत बनाती है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना ने चुनावी रणनीति का एक अहम हिस्सा बना लिया है। इसके तहत हर महिला को 10,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिसे अनेक विश्लेषक गेम-चेंजर बताते हैं। इसके अलावा, लाखपति दीदी कार्यक्रम के जरिए महिलाओं को स्वरोजगार के साधन और प्रशिक्षण दिए गए हैं। जदयू और भाजपा दोनों की नीतियों में 50ः आरक्षण पञ्चायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए और 35ः आरक्षण पुलिस भर्ती में प्रदान किया गया है। उस के साथ-साथ, जैविका स्व-सहायता समूहों के जरिए महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की राह भी दी गई है, जिससे न सिर्फ गरीबी कम हो रही है बल्कि महिलाएं स्थानीय स्तर पर सामाजिक और राजनीतिक रूप से अधिक सक्रिय हो रही हैं। भाजपा जदयू की यह महिला-फर्स्ट रणनीति सिर्फ चुनावी वोट बैंक बनाने की बात नहीं है। यह उनकी लंबी राजनीतिक सोच का

हिस्सा माना जा रहा है। नितीश कुमार ने तय-तौर पर महिलाओं को हिंदसा, शिक्षा, स्वरोजगार और सामाजिक सुरक्षा के मंच पर आत्मनिर्भरता का अवसर दिया है, जिससे महिला मतदाता उनके प्रति नकल-निरपेक्ष भरोसा रखते हैं। महागठबंधन के लिए महिलाओं का समूह चुनौतीपूर्ण है। तेजस्वी यादव ने चुनावी समय में माई बहिन मान योजना की घोषणा की, जिसमें हर महिला को सालाना 30,000 रुपये देने का वादा किया गया था। लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि यह वादा भाजपाद्दजदयू की पहले से चल रही और हो चुकी योजनाओं की तरह भरोसेमंद नहीं दिखा। इसके अलावा, विपक्ष ने सरकार पर आरोप लगाया है कि चुनाव से ठीक पहले महिलाओं को 10,000 रुपये भेजना चुनावी स्टंट जैसा कदम है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी ने उन्हें केवल वोटर्स की श्रेणी से ऊपर उठाकर राजनीतिक निर्णायक शक्ति बना दिया है। अधिकांश सीटों पर महिला मतदान प्रतिशत पुरुषों से कहीं अधिक रहा, जिससे भाजपाद्दजदयू को रणनीतिक बढ़त मिली।बिहार में पारंपरिक तौर पर राजनीति जाति आधारित रही है। लेकिन महिलाएं अब एक नए लिंग-आधारित राजनीतिक सक्रियता को जन्म दे रही हैं, जो वादों को सिर्फ जातिगत नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और कल्याण-केंद्रित बनाती है। सिर्फ मतदान नहीं कृ महिलाएं स्व-सहायता समूहों, पंचायतों, और लघु उद्यमों के जरिए स्थानीय नेतृत्व में भी शामिल हो रही हैं, जिससे उनकी राजनीतिक और सामाजिक शक्ति दीर्घकालीन हो रही है। हालाँकि इस सब परिवर्तन में कुछ सीमाएँ और सवाल भी है। बहुत बड़ी मतदान शक्ति होने के बावजूद, भाजपा और जदयू ने महिला उम्मीदवारों को बहुत कम ऊँची-संभावित सीटों पर उतारा है। उदाहरण के लिए, दोनों पार्टियों ने सिर्फ लगभग 9ः सीटों पर महिलाओं को उम्मीदवार बनाया। विपक्ष और विश्लेषक इस बात पर सवाल उठाते हैं कि क्या ये योजनाएँ वास्तव में महिलाओं की सशक्तिकरण की दिशा में हैं, या सिर्फ वोट खरीदने की रणनीति। आर्थिक सहायता और कल्याण योजनाएं तत्काल प्रभाव तो डाल सकती हैं, लेकिन यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या ये महिलाएं स्थिर स्वरोजगार, शिक्षा और सामाजिक स्वायत्तता की ओर निरंतर बढ़ती हैं, या केवल चुनावों के समय सक्रिय होती हैं।बिहार चुनावों में महिलाओं की भूमिका अब किसी पारंपरिक वोट बैंक से कहीं आगे निकलकर राजनीतिक परिवर्तन का घटक बन चुकी है। भाजपा और जदयू ने यह अच्छी तरह समझा है और महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण को अपनी रणनीति का केंद्र बनाया है। उनकी महिला-फर्स्ट योजनाओं ने न सिर्फ आर्थिक सुरक्षा दी है, बल्कि सामाजिक पहचान और राजनीतिक भागीदारी के नए रास्ते खोले हैं।वहीं, विपक्ष को महिला मतदाताओं तक पहुँचने के लिए सिर्फ वादों से कहीं गहराई में जाना होगा कृ उन्हें यह दिखाना होगा कि उनकी योजनाएं सिर्फ चुनावी आकर्षण नहीं, बल्कि दूरगामी सशक्तिकरण का माध्यम हैं।इस विकास की सबसे बड़ी मिसाल यह है कि बिहार की महिलाएं अब मूक दर्शक नहीं रह गई हैं, बल्कि निर्णायक नेतृत्वकारी शक्ति बन चुकी हैं। यह न सिर्फ बिहार की राजनीति की दिशा बदल रहा है, बल्कि यह भारत में महिला सशक्तिकरण और लोकतांत्रिक भागीदारी की एक नई कहानी भी लिख रहा है। बिहार चुनावों में महिलाओं की सर्वोपरि भूमिका आज केवल मताधिकार तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे राजनीति, समाज और राष्ट्र-निर्माण की दिशा तय करने वाली एक निर्णायक शक्ति बन चुकी हैं। पिछले वर्षों में बिहार में महिलाओं की मतदान भागीदारी लगातार बढ़ी है और 2025 के चुनाव में तो इसने ऐतिहासिक स्तर छू लिया। पुरुषों की अपेक्षा कहीं अधिक संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंचकर महिलाओं ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि उनकी आवाज अब राजनीति का अनिवार्य आधार है और सरकारों की नीतियाँ अब उनकी आकांक्षाओं, चुनौतियों और भविष्य की जरूरतों पर आधारित होंगी। इस बढ़ती जागरूकता ने बिहार की राजनीति के पारंपरिक समीकरणों को बदल दिया है, जहाँ जाति या स्थानीय समीकरणों से अधिक महिला मतदाताओं की प्राथमिकताएँ निर्णायक सिद्ध हो रही हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में भाजपा और जदयू गठबंधन ने महिलाओं की अहमियत को ध्यान में रखते हुए ऐसे कदम उठाए, जिन्हें सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर माना गया। नीतीश कुमार की सरकार वर्षों से पंचायती राज संस्थाओं में 50ः आरक्षण देकर महिलाओं को राजनीतिक निर्णयों के केंद्र में ला रही है। हजारों महिलाएँ ग्राम पंचायतों, नगर निकायों और स्थानीय प्रशासनिक ढाँचों में नेतृत्व की भूमिकाओं में उभरकर सामने आई हैं, जिससे शासन-प्रणाली में पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जनकल्याण की प्रवृत्ति को बल मिला है। बिहार पुलिस सहित अन्य सरकारी सेवाओं में महिलाओं को 35ः आरक्षण देकर राज्य ने उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र में सुरक्षित, सम्मानजनक और समान अवसर प्रदान किए हैं।

भाजपाद्दजदयू की विभिन्न

असम विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा-विरोधी मोर्चा बनाने में जुटी कांग्रेस

यह निर्णय कांग्रेस द्वारा बुलाई गई एक बैठक के दौरान लिया गया, जिसमें रायजोर दल, असम जातीय परिषद, आंचलिक गण मोर्चा, सी.पी.एम., सी.पी.आई., सी.पी.आई. (एम.एल.) और ए.पी.एच.एल.सी. के नेता शामिल हुए। ऑल इंडिया यूनाइटेड डैमोक्रेटिक फ्रंट विशेष रूप से अनुपस्थित रहा। ए.आई.सी.सी. महासचिव जितेंद्र सिंह ने कहा कि विपक्षी ताकतें हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली सरकार के अन्याय के खिलाफ एकजुट हुई हैं और राज्य में एक नई जन सरकार बनाने का संकल्प लिया है। हालांकि, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस घटनाक्रम को कमतर आंकने की कोशिश की। महाराष्ट्र कांग्रेस ने स्थानीय निकाय चुनावों के लिए छोटे दलों के साथ गठबंधन करने का फैसला कियारू महाराष्ट्र कांग्रेस ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को छोड़कर, छोटे और समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन करने का फैसला किया है। कांग्रेस लगातार यह दावा कर रही है कि महा विकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) के उसके प्रमुख सहयोगियों शिवसेना (यू.बी.टी.) और एन.सी.पी. (एस.पी.) के साथ उसका गठबंधन बरकरार है। कांग्रेस के एक सूत्र ने कहा कि पार्टी के जिला और ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों को सहयोगियों से परामर्श के बाद गठबंधन पर निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया है और उनके निर्णयों का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेताओं के पास राज्य-स्तरीय व्यापक गठबंधन की बजाय क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार रणनीतिक समझ है और बेहतर होगा कि वे इसे अपनाएं। एम.वी.ए. सहयोगियों की संयुक्त बैठक, जिसमें समन्वय समिति की घोषणा की गई।

नोरा चोपड़ा

2026 में होने वाले असम विधानसभा चुनावों से पहले, कांग्रेस की असम इकाई और 7 अन्य राजनीतिक दलों ने राज्य में भाजपा-विरोधी मोर्चा बनाने के मुद्दे पर सहयोग किया है। यह निर्णय कांग्रेस द्वारा बुलाई गई एक बैठक के दौरान लिया गया, जिसमें रायजोर दल, असम जातीय परिषद, आंचलिक गण मोर्चा, सी.पी.एम., सी.पी.आई., सी.पी.आई. (एम.एल.) और ए.पी.एच.एल.सी. के नेता शामिल हुए। ऑल इंडिया यूनाइटेड डैमोक्रेटिक फ्रंट विशेष रूप से अनुपस्थित रहा। ए.आई.सी.सी. महासचिव जितेंद्र सिंह ने कहा कि विपक्षी ताकतें हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली सरकार के अन्याय के खिलाफ एकजुट हुई हैं और राज्य में एक नई जन सरकार बनाने का संकल्प लिया है। हालांकि, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस घटनाक्रम को कमतर आंकने की कोशिश की। महाराष्ट्र कांग्रेस ने स्थानीय निकाय चुनावों के लिए छोटे दलों के साथ गठबंधन करने का फैसला कियारू महाराष्ट्र कांग्रेस ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को छोड़कर, छोटे और समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन करने का फैसला किया है। कांग्रेस लगातार यह दावा कर रही है कि महा विकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) के उसके प्रमुख सहयोगियों शिवसेना (यू.बी.टी.) और एन.सी.पी. (एस.पी.) के साथ उसका गठबंधन बरकरार है। कांग्रेस के एक सूत्र ने कहा कि पार्टी के जिला और ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों को सहयोगियों से परामर्श के बाद गठबंधन पर निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया है और उनके निर्णयों का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेताओं के पास राज्य-स्तरीय व्यापक गठबंधन की बजाय क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार रणनीतिक समझ है और बेहतर होगा कि वे इसे अपनाएं। एम.वी.ए. सहयोगियों की संयुक्त बैठक, जिसमें समन्वय समिति की घोषणा की गई, में महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल, एन.सी.पी. (एस.पी.) के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे और शिवसेना (यू.बी.टी.)के एम.एल.सी. अनिल परब सहित अन्य पार्टी नेता शामिल हुए। समन्वय समिति में गठबंधन के प्रत्येक सदस्य के प्रतिनिधि शामिल होंगे और उम्मीदवारों को लेकर मतभेदों को सुलझाएंगे। हालांकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) महा विकास अघाड़ी गठबंधन का हिस्सा होगी या नहीं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि मनसे को एम.वी.ए. में नए सहयोगी के रूप में शामिल करने का कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी.एल.संतोष की बंद कमरे में भाजपा विधायकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठकरू भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी.एल.संतोष ने पूर्वोत्तर समन्वयक संबित पात्रा के साथ इंफाल स्थित पार्टी के राज्य मुख्यालय में भाजपा विधायकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बंद कमरे में हुई इस बैठक में पहाड़ी और घाटी दोनों क्षेत्रों के भाजपा विधायकों ने भाग लिया, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत सिंह और राज्यसभा सांसद लीशेम्बा सनाजाओबा शामिल थे। हालांकि, कुकी समुदाय के विधायक विशेष रूप से अनुपस्थित थे। संतोष का यह दौरा जो 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने और भाजपा विधायकों द्वारा एक लोकप्रिय मंत्रिमंडल की बहाली के लिए दबाव बनाने के बाद पहला है,पार्टी द्वारा खुद को मजबूत और पुनर्गठित करने, साथ ही लोगों से फिर से जुडने और संभावित सरकार गठन की नींव रखने के लिए नए सिरे से किए जा रहे प्रयासों का संकेत देता है। बसपा पश्चिमी यू.पी. में मुस्लिम दलित तक बढने की योजना बना रहीरू बहुजन समाज पार्टी (बसपा) पश्चिमी यू.पी. में मुस्लिम दलित तक बढने की योजना बना रही है। 6 दिसंबर को नोएडा में होने वाली एक सार्वजनिक बैठक के साथ यह बैठक होने की संभावना है। जबकि बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और यू.पी. की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने गुरुवार को दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गुजरात में पार्टी की इकाइयों की विस्तृत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पहले संगठनात्मक समीक्षाओं के दौरान जारी किए गए निदेशों के कार्यान्वयन का आंकलन करने पर जोर दिया गया, विशेष रूप से मतदान बूथ स्तर पर पार्टी संरचना को मजबूत करने और समाज के सभी वर्गों में पार्टी के आधार का विस्तार करने के संबंध में।

बगावत की चिंगारी को बुझा कर बहुमत की ज्वाला पैदा करना कोई अमित शाह से सीखे

बिहार में अमित शाह ने 4-5 महीने पहले ही मोर्चा संभाल लिया था। अमित शाह के कमान संभालने के बाद भाजपा और सहयोगियों के बीच कई दौर की वार्ता हुई। अमित शाह खउ(व), छखढ (फ्र), फ्छरढ और ल्ळअट को एक मंच पर लेकर आये। सीट-दर-सीट जातीय समीकरण का सटीक विश्लेषण किया गया और संभावित विवादों को समय रहते शांत किया गया। यह वह काम है जो सामान्यतः चुनाव घोषित होने के बाद शुरू होता है लेकिन अमित शाह ने महीनों पहले इसकी नींव तैयार कर दी थी। देखा जाये तो अमित शाह का चुनावी अभियान केवल मंच के भाषणों तक सीमित नहीं होता। उनकी शैली हमेशा जमीनी संरचना को मजबूत करने पर आधारित होती है। 5 जिला स्तरीय संगठन बैठकें, 5 क्लस्टर स्तर की बैठकें, 35 विशाल रैलियाँ, 1 महत्त्वपूर्ण रोड शो और और हर दौरे पर कोर ग्रुप के साथ बैठकें की गयीं। इस दौरान अमित शाह लगातार एक ही बात दोहराते रहे कि बूथ जीते बिना चुनाव नहीं जीता जाता। उनका यह फोकस बालू की दीवार को भी कंक्रीट का किला बना देता है। अमित शाह की निगरानी में बिहार में भाजपा का बूथ नेटवर्क तगड़ा हुआ और परिणाम सामने आया— प्रचंड जनादेश। इसके अलावा, बिहार के दरभंगा जिले की अलिनगर विधानसभा सीट अचानक राष्ट्रीय सुर्खियों का केंद्र बन गई थी जब भाजपा ने यहाँ से लोकप्रिय मैथिली लोकगायिका मैथिली ठाकुर को उम्मीदवार बनाकर एक साहसी राजनीतिक दांव खेला था। हालांकि यह दांव जितना आकर्षक था, उतना ही जोखिमभरा भी क्योंकि जमीनी स्तर पर तुरंत असंतोष की लहर उठी। वर्षों से पार्टी के प्रति निष्ठावान कार्यकर्ता खुद को उपेक्षित महसूस करने लगे और कई ने बगावत की चेतावनी दे दी।

देखा जाये तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी शैली की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह रणनीति को तीन आयामों में रचते हैं— संगठन, समाज, और संदेश। यही भाजपा का वह मॉडल है जिसने उसे बार-बार कठिन इलाकों में जीत दिलाई है। बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा की स्ट्राइक रेट का 90% से ऊपर रहना संगठनात्मक पराक्रम का भी परिणाम है। चुनाव से पहले के हालात पर गौर करें तो नीतीश कुमार के खिलाफ एंटी-इनकम्बेंसी को खत्म करना सबसे बड़ी चुनौती थी। साथ ही गठबंधन के घटक दलों के बीच सीट बँटवारे और सबको साथ लेकर चलने की चुनौती भी थी। ऐसे में अमित शाह ने यह जिम्मेदारी अपने हाथ में ली। बिहार में अमित शाह ने 4-5 महीने पहले ही मोर्चा संभाल लिया था। अमित शाह के कमान संभालने के बाद भाजपा और सहयोगियों के बीच कई दौर की वार्ता हुई। अमित शाह खउ(व), LJP (RV), RLSP और ल्ळअट को एक मंच पर लेकर आये। सीट-दर-सीट जातीय समीकरण का सटीक विश्लेषण किया गया और संभावित विवादों को समय रहते शांत किया गया। यह वह काम है जो सामान्यतः चुनाव घोषित होने के बाद शुरू होता है लेकिन अमित शाह ने महीनों पहले इसकी नींव तैयार कर दी थी। देखा जाये तो अमित शाह का चुनावी अभियान केवल मंच के भाषणों तक सीमित नहीं होता। उनकी शैली हमेशा जमीनी संरचना को मजबूत करने पर आधारित होती है। 5 जिला स्तरीय संगठन बैठकें, 5 क्लस्टर स्तर की बैठकें, 35 विशाल रैलियाँ, 1 महत्त्वपूर्ण रोड शो और और हर दौरे पर कोर ग्रुप के साथ बैठकें की गयीं। इस दौरान अमित शाह लगातार एक ही बात दोहराते रहे कि बूथ जीते बिना चुनाव नहीं जीता जाता। उनका यह फोकस बालू की दीवार को भी कंक्रीट का किला बना देता है। अमित शाह की निगरानी में बिहार में भाजपा का बूथ नेटवर्क तगड़ा हुआ और परिणाम सामने आया— प्रचंड जनादेश। इसके अलावा, बिहार के दरभंगा जिले की अलिनगर विधानसभा सीट अचानक राष्ट्रीय सुर्खियों का केंद्र बन गई थी जब भाजपा ने यहाँ से लोकप्रिय मैथिली लोकगायिका मैथिली ठाकुर को उम्मीदवार बनाकर एक साहसी राजनीतिक दांव खेला था। हालांकि यह दांव जितना आकर्षक था, उतना ही जोखिमभरा भी क्योंकि जमीनी स्तर पर तुरंत असंतोष की लहर उठी। वर्षों से पार्टी के प्रति निष्ठावान कार्यकर्ता खुद को उपेक्षित महसूस करने लगे और कई ने बगावत की चेतावनी दे दी। स्थिति ऐसी थी कि यह प्रयोग भाजपा के लिए आत्मघाती भी साबित हो सकता था। लेकिन राजनीति में संकट वहीं खत्म होता है जहाँ अमित शाह का प्रवेश होता है। चुनावी अभियानों के महारथी, संघटनात्मक इंजीनियरिंग के सिद्धहस्त और आधुनिक भारतीय राजनीति के अजेय रणनीतिकार, अमित शाह ने एक बार फिर दिखा दिया कि उन्हें यूँ ही भाजपा का चाणक्य नहीं कहा जाता। हम आपको बता दें कि अलिनगर उन सीटों में से थी जिन्हें भाजपा पारंपरिक रूप से अनुकूल नहीं मानती। मैथिली ठाकुर जैसे युवा चेहरे को उतारना प्रधानमंत्री मोदी के उस बड़े प्रयोग का हिस्सा था जिसमें वह पार्टी में युवाओं, कलाकारों और नई पीढ़ी को निर्णायक भूमिका में लाना चाहते हैं। लेकिन पुराने कार्यकताओं की नाराजगी ने स्थिति को नाजुक बना दिया। यहीं अमित शाह ने अपनी विशिष्ट शैली में कमान संभाली। उन्होंने थकान को दरकिनार करते हुए एक के बाद एक फोन कॉल किए, हर आक्रोशित नेता को शांत किया, हर असंतुष्ट कार्यकर्ता को सुना और धीरे-धीरे बगावत की आग को पूरी तरह शांत कर दिया। यह वही हस्तक्षेप था जिसने मैथिली ठाकुर के लिए रास्ता साफ किया। पार्टी के दिल्ली और पटना दोनों ही धड़ों में यह स्वीकार किया गया कि अलिनगर की ऐतिहासिक जीत अमित शाह की अथक मेहनत और उनके अद्वितीय संकट प्रबंधन क्षमता का परिणाम थी। बात सिर्फ अलिनगर की भी नहीं है क्योंकि रूठों को मनाने और असंतुष्टों को समझाने का काम अमित शाह ने पूरे बिहार में किया। उन्होंने बगावत की चिंगारी को बुझा दिया और बहुमत की ज्वाला पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चुनाव प्रचार के पूरे अभियान के दौरान अमित शाह ने अलग-अलग महत्वपूर्ण बैठकों, संवादों और रणनीतिक हस्तक्षेपों के माध्यम से न सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया, बल्कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति राजनीतिक सद्भावना को भी सार्थक दिशा दी। देखा जाये तो अमित शाह की चुनावी शैली की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह रणनीति को तीन आयामों में रचते हैं— संगठन, समाज, और संदेश। यही भाजपा का वह मॉडल है जिसने उसे बार-बार कठिन इलाकों में जीत दिलाई है। देखा जाये तो चुनाव सिर्फ प्रचार से नहीं जीते जाते। चुनाव जीते जाते हैं संयम, संवाद, रणनीति और समय पर लिए गए सटीक निर्णयों से। यह जीत बताती है कि असंतोष चाहे कितना भी गहरा हो, संगठनात्मक नियंत्रक की भूमिका में अमित शाह अतुलनीय हैं। युवा चेहरों को आगे लाने का मोदीझ्रशाह मॉडल सिर्फ प्रयोग नहीं, यह भविष्य की राजनीति का रोडमैप है। भाजपा अब सिर्फ परंपरागत समीकरणों पर नहीं, बल्कि नए सामाजिक-राजनीतिक प्रयोगों पर खड़ी एक गतिशील पार्टी बन चुकी है। अमित शाह भले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं हैं, लेकिन पार्टी आज भी हर बड़ी चुनावी लड़ाई में उनके नेतृत्व-क्षमता पर ही निर्भर रहती है। वह महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली में भी कठिन परिस्थितियों को अवसरों में बदल चुके हैं। उनकी सबसे बड़ी ताकत है— राजनीति को भावना नहीं, प्रणाली के तौर पर देखना। अगला चुनावी युद्धक्षेत्र पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा कर दी है कि बंगाल के जंगलराज को समाप्त करना है। माना जा रहा है कि अमित शाह अब बंगाल पर ध्यान केंद्रित करेंगे। क्योंकि जहाँ मोदी जन-भावना जगाते हैं, वहाँ शाह जन-भावना को संरचना में बदलते हैं। बहरहाल, यदि राजनीति एक विद्या है, तो अमित शाह उस विद्या के अधिष्ठाता हैं— रणकौशल, बुद्धि और संगठनात्मक कठोरता के अद्वितीय संयोजन के साथ। अमित शाह की राजनीति आधुनिक चाणक्य की तरह निर्णायक और परिणाम-केंद्रित है।

WTC 2025-27 की अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	ड्रॉ	बेनतीजा	अंक	अंक
ऑस्ट्रेलिया	3	3	0	0	0	36	10
दक्षिण अफ्रीका	3	2	1	0	0	24	66
श्रीलंका	2	1	0	1	0	16	66
भारत	8	4	3	1	0	52	54
पाकिस्तान	2	1	1	0	0	12	5
इंग्लैंड	5	2	2	1	0	26	43
बांग्लादेश	2	0	1	1	0	4	16
न्यूजीलैंड	5	0	5	0	0	0	

पहले टेस्ट में हार से भारत को हुआ नुकसान, चौथे स्थान पर खिसका; दूसरे नंबर पर आया द. अफ्रीका

कोलकाता : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में हार के बाद भारतीय टीम को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में नुकसान हुआ है। टीम चौथे स्थान पर पहुंच चुकी है, जबकि दक्षिण अफ्रीका श्रीलंका को पीछे छोड़कर दूसरे पायदान पर पहुंच गई। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में हार के बाद भारतीय टीम को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में नुकसान हुआ है। टीम चौथे स्थान पर पहुंच चुकी है, जबकि दक्षिण अफ्रीका श्रीलंका को पीछे छोड़कर दूसरे पायदान पर पहुंच गई। रविवार को तेम्बा बावुमा की अगुआई वाली दक्षिण अफ्रीका ने शानदार वापसी करते हुए भारत को पहले टेस्ट मैच में 30 रन से हरा दिया है। भारतीय टीम ने पहली पारी में 30 रनों की बढ़त ली थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के दम पर वापसी की और भारत को हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली।

शेफाली शाह ने इस दिग्गज एक्टर को बताया अपना पसंदीदा कलाकार, बोलीं- वो तारीफ के असल हकदार

अभिनेत्री शेफाली शाह ने हाल ही में अपने पसंदीदा कलाकार के बारे में खुलासा किया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि उनकी सफलता देख उन्हें बेहद खुशी होती है। पढ़िए कौन है वो एक्टर।

सिनेमाई दुनिया में अपने शानदार अभिनय के लिए पहचानी जानी वाली अभिनेत्री शेफाली शाह ने अपने फेवरेट एक्टर के बारे में बताया है। साथ ही उन्होंने कहा कि उस एक्टर ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को अलग पहचान दी है। चलिए जानते हैं पूरी खबर। किस कलाकार का अभिनेत्री ने किया जिक्र? अभिनेत्री ने देहरादून लिटरेचर फेस्टिवल के सातवें संस्करण में बोला कि जयदीप अहलावत उनके पसंदीदा कलाकार हैं। उन्होंने कहा, वह बहुत अच्छे हैं। ओटीटी ने हमारी जिंदगी बदल दी है। हम सभी को प्रतिभाशाली माना जाता था, लेकिन उन बड़ी व्यावसायिक फिल्मों में हमारी क्या जगह होती? इसलिए, जब मैं उनकी प्रगति देखती हूं, तो मुझे बहुत खुशी होती है। अभिनेत्री ने जयदीप अहलावत की सफलता का किया जिक्र अभिनेत्री ने आगे बात करते हुए याद किया कि जब पाताल लोक 2 रिलीज हुई, तो उन्होंने अमूल का एक होर्डिंग देखा जिसमें अहलावत दिखाई दे रहे थे, तो उन्हें बहुत गर्व महसूस हुआ था। साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि वो सभी प्रशंसाओं के हकदार हैं। इसके अलावा बताया कि जयदीप अहलावत का उदय सिनेमा उद्योग में एक बदलाव का प्रतीक है। अपनी पहली किताब का भी किया जिक्र आगे बात करते हुए उन्होंने कहा, मैंने एक किताब लिखी है, हालांकि मुझे यकीन नहीं है कि यह मेरी पहली किताब होगी। मैंने इसे पढ़ा है, मेरे दोस्तों ने इसे पढ़ा और उन्हें यह पसंद आई है। अब, यह प्रकाशित होगी या नहीं, यह पता चल जाएगा। अभिनेत्री ने सभी से किताबें पढ़ने का आग्रह किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पढ़ना हमें कहीं घूमने से भी ज्यादा प्रेरित करती हैं। इन फिल्मों में साथ नजर आए शेफाली और जयदीप अहलावत अविनाश अरुण द्वारा निर्देशित फिल्म 'थ्री ऑफ अस' साल 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में शेफाली शाह और जयदीप अहलावत मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को IMDB पर 10 में से 7.5 रेटिंग मिली है, जो बताती है कि फिल्म अच्छी थी।

तमन्ना भाटिया ने रोबोट संग की रैंप वॉक, ब्लैक आउटफिट में ढाया कहर

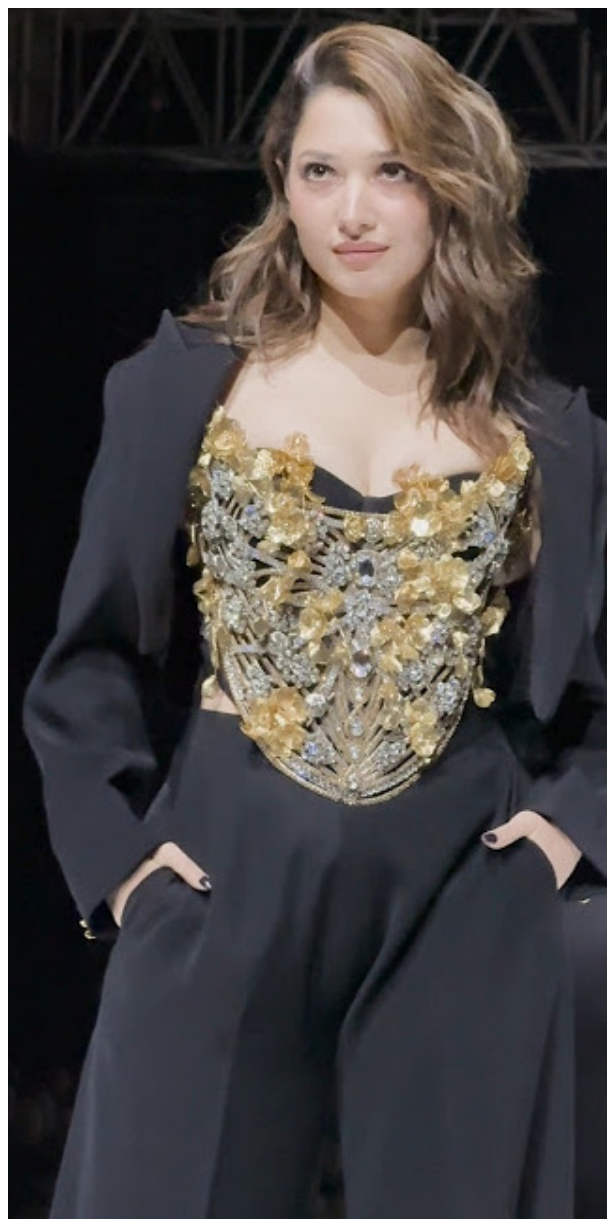

तमन्ना भाटिया का एक रैंप वॉक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें वह रोबोट्स के साथ रैंप वॉक करती दिखीं। तमन्ना भाटिया का लुक देख फैंस भी कायल हो गए हैं।

हाल ही में तमन्ना भाटिया फैशन डिजाइनर फाल्गुनी और शेन पीकॉक के लिए शोस्टॉपर बनीं। एक्ट्रेस का रैंप वॉक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस रैंप वॉक में ब्यूटी और ऑटिफिशियल इंटेलीजेंस का संगम देखने को मिला है। फैंस को भी तमन्ना भाटिया का अंदाज पसंद आया। ब्लैक ड्रेस में तमन्ना ने दिखाया जलवा तमन्ना भाटिया ने ब्लैक वेस्टर्न आउटफिट में रैंप वॉक की। इस ड्रेस के स्लिट्स शोल्डर से एक्ट्रेस का लुक काफी यूनीक बन गया है। तमन्ना ने इस ड्रेस के साथ मेकअप भी काफी कम किया है, उनका नेचुरल लुक पूरी तरह से हाइलाइट हो रहा है। शाहिर कपूर भी रैंप वॉक करते नजर आए तमन्ना भाटिया के अलावा फाल्गुनी और शेन पीकॉक के लिए शाहिद कपूर ने भी रैंप वॉक किया। वह ब्लैक और ब्लू कलर वाले सूट में नजर आए। शाहिद का लुक भी सोशल मीडिया यूजर्स, फैंस को पसंद आया है।

वाराणसी टीजर लॉन्च इवेंट से महेश बाबू का एंट्री वीडियो वायरल, नेटिजंस ने दी प्रतिक्रिया ; बोले- आग लगा दी

बीते दिन शनिवार को ग्लोबट्रॉटर इवेंट में साउथ अभिनेता महेश बाबू की एंट्री ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया, जो आगामी फिल्म 'वाराणसी' में उनके किरदार से जुड़ा हुआ है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो पर नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। फिल्म निमार्ता एसएस राजामौली ने शनिवार रात हैदराबाद में ग्लोबट्रॉटर इवेंट आयोजित किया था। इसमें उन्होंने अपनी फिल्म 'वाराणसी' का फर्स्ट लुक जारी किया। इस कार्यक्रम के दौरान अभिनेता महेश बाबू ने स्टेज पर कुछ हटकर एंट्री की, जिसमें वो इलेक्ट्रिक बुल पर बैठे नजर आए। इसे देख यूजर्स की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। पढ़िए उन्होंने क्या कहा। नेटिजंस ने दी प्रतिक्रिया फिल्म 'वाराणसी' के टीजर लॉन्च के दौरान साउथ अभिनेता महेश बाबू ने स्टेज पर बिल्कुल अलग अंदाज में एंट्री की। एक्टर ने इलेक्ट्रिक बुल पर त्रिशूल लेकर बैठे हुए एंट्री की। इस वीडियो के वायरल होते ही यूजर्स की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। ज्यादातर नेटिजंस इसे धमाकेदार एंट्री कह रहे हैं। तो कुछ इसे और शानदार बनाया जा सकता था, ऐसा भी सुझाव दे रहे हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने हैदराबाद से शेयर की सेल्फी, इस खास शख्स को मिस कर रही हैं 'वाराणसी' फिल्म की एक्ट्रेस

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आगामी साउथ फिल्म 'वाराणसी' को लेकर हैदराबाद में हैं। इस दौरान प्रियंका को वहां पर एक खास शख्स की याद सता रही है। प्रियंका चोपड़ा हैदराबाद में अपनी नई साउथ फिल्म 'वाराणसी' के ग्लोबट्रॉटर इवेंट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने अपने खूबसूरत देसी लुक से सबका ध्यान खींचा। आज सोशल मीडिया हैंडल स्टोरी पर प्रियंका ने अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह किसी खास शख्स को मिस करती नजर आ रही हैं। जानिए आखिर कौन हैं वह शख्स, जिसकी याद प्रियंका को सता रही है। प्रियंका का पोस्ट ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म का एक खास इवेंट ग्लोबट्रॉटर के नाम से हैदराबाद में आयोजित किया गया। जिसके दौरान प्रियंका ने अपने देसी लुक से सभी का दिल जीत लिया। वहीं इसी बीच आज प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक प्यारा वीडियो शेयर किया, जिसमें उनकी हेयर स्टाइलिस्ट खुशबू बाजपेयी उनके हेयर को स्टाइल देती नजर आ रही हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए प्रियंका किसी को याद करती नजर आईं। निक को मिस कर रही हैं प्रियंका प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपने बाल खुलवाने की कोशिश करती नजर आ रही हैं। वीडियो में वह हेयर ड्रेसर खुशबू के साथ हंसते हुए कहती हैं, 'मुझे हमेशा अपने बाल खोलने के लिए मदद चाहिए।' उन्होंने पोस्ट में निक को याद करते हुए लिखा, मिस यू।' वैसे पिछले महीने निक ने प्रियंका के बाल संवारने में उनकी मदद की थी, जब वे हवाई अड्डे जा रहे थे। प्रियंका ने निक की तारीफ करते हुए कहा था, 'आप इसमें अच्छे होते जा रहे हैं।' प्रियंका का वर्कफ्रंट प्रियंका चोपड़ा 'द ब्लफ', 'सिटाडेल' के दूसरे सीजन के अलावा साउथ फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। यह फिल्म रस्टइ29 के नाम से भी चर्चित रही। इस फिल्म का निर्देशक एसएस राजामौली कर रहे हैं। इस फिल्म में प्रियंका के अलावा साउथ स्टार महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे। हाल ही में हैदराबाद में ग्लोबट्रॉटर नाम का इवेंट किया गया, जिसमें महेश बाबू और प्रियंका की फिल्म 'वाराणसी' के नाम का खुलासा किया गया। महेश बाबू इस फिल्म में रूद्र और प्रियंका चोपड़ा मंदाकिनी के किरदार निभाएंगी।

अमिताभ के साथ काम करना चाहते हैं शाद, बोले- शाहरुख ने जो 'डर' में किया था वैसा किरदार करना है

फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' और 'सैयारा' जैसी फिल्मों में नजर आए अभिनेता शाद रंधावा ने अमर उजाला से एक्क्लूसिव बातचीत करते हुए अपने करियर को लेकर कई अहम पहलुओं के बारे में बताया। फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' की सक्सेस पर अभिनेता शाद रंधावा ने अमर उजाला से बात करते हुए अपने दिल की बात साझा की। इसके अलावा उन्होंने कई मुद्दों पर अपने विचार रखे। अपने करियर और आने वाले प्रोजेक्ट्स पर भी उन्होंने बताया। शाद ने क्या कुछ कहा, चलिए जानते हैं। फिल्म की सफलता पर क्या कहेंगे? बहुत अच्छा लग रहा है। फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। ऑडियंस को काफी अच्छी लग रही है फिल्म। मेरा काम भी अच्छा लग रहा है। जितने रिएक्शन्स आ रहे हैं, फिल्म देखने जा रहे हैं लोग। जो भी कमेंट्स आ रहे हैं मेरे सोशल मीडिया पर बहुत पॉजिटिव रिएक्शन्स हैं..बहुत प्रोत्साहन बढ़ाने वाले हैं। तो बहुत अच्छा लगता है जब आप मेहनत करो। हम ऑडियंस के लिए ही काम करते हैं, तो उन्हें अच्छा लगता है तो हमें भी अच्छा लगता है। फिल्म सैयारा, आवारापन, आशिकी 2 जैसी फिल्मों से आपके करियर में क्या बदलाव लाए? मैंने इस तरह से कभी देखा नहीं है। जब मैं साल 2006 में भी पहली बार सेट पर गया था। तब भी वहीं जोश था, वही डर था, वही एक्साइटमेंट थी...जो आज है। वही प्रोसेस था, वही कोशिश थी जो आज है। मेरे हिसाब से कुछ नहीं बदला है, वहीं डायरेक्टर्स-प्रोड्यूसर्स थे। सभी का यही होता है मिलकर काम अच्छा करना है। काम अच्छा निकलकर आए और फिल्म लोगों को अच्छी लगे। तो ये जो प्रोसेस है ये वही चल रहा है इतने वर्षों से। कुछ भी नहीं बदला है। प्रोसेस भी वही है..वहीं दुनिया में आपने फेम के बारे में कभी नहीं सोचा कि किस डायरेक्शन में जा रहा हूं? जी, जैसा काम मिलता गया, करता गया। मैं थोड़ा पॉजिटिव इंसान हूं। अभी आगे भी मैं मौजूदा वक्त में जीना चाहता हूं। अभी मोमेंट है उसे जियो। जो काम है बस वो करना चाहता हूं।

मेरे सेफ प्लेस हो, बड़े सपोर्ट सिस्टम..मंगेतर के बर्थडे पर अंशुला कपूर का स्पेशल पोस्ट, रोहन संग पूल में मस्ती करती आईं नजर

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर अक्सर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। इसी साल अक्टूबर में उन्होंने रोहन ठक्कर संग सगाई की थी, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। वहीं, आज अंशुला के मंगेतर का बर्थडे हैं। ऐसे मौके पर उन्होंने अपने पार्टनर को बेहद खास अंदाज में विश करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। अंशुला ने अपने इंस्टाग्राम पर मंगेतर संग कई अनदेखी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें दोनों पूल में मस्ती करते, छुट्टियां मनाते और साथ समय बिताते दिखाई दे रहे हैं। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने अपने दिल की भावनाएं व्यक्त करते हुए लिखा-तुम मेरे सेफ प्लेस हो,, मेरे सबसे बड़े सपोर्ट सिस्टम, मेरे फूड पार्टनर और मेरी जिंदगी का वो प्यार जिसने सब कुछ बदल दिया। तुम मेरी खुशियों को अपने जितना बड़ा मानकर सेलिब्रेट करते हो और मेरे मुश्किल वक्त में बिना पीछे हटे खड़े रहते हो। तुमने मुझे उस तरह समझा है, जिसकी मुझे कभी उम्मीद भी नहीं थी। हैप्पी बर्थडे, रोहन। अंशुला द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में कपल की जबरदस्त बॉन्डिंग नजर आती है। कभी पूलसाइड मस्ती, कभी किसी शांत जगह पर क्वालिटी टाइम बिताते दोनों बेहद खुश दिख रहे हैं। साथ ही, कुछ तस्वीरों में दोनों को क्रिसमस सेलिब्रेट करते हुए भी देखा जा सकता है। फैंस को इनकी जोड़ी बेहद रियल और प्यारी लगती है। अंशुला और रोहन की लव स्टोरी काफी खूबसूरत रही है। रोहन ठक्कर पेशे से स्क्रीनराइटर हैं। जुलाई 2025 में उन्होंने न्यूयॉर्क में कपूर खानदान की लाडली को रोमांटिक अंदाज में प्रपोज किया था। इसके बाद अक्टूबर 2025 में दोनों ने गुजराती रीति-रिवाज से सगाई कर ली। इस खास मौके पर केवल परिवार के लोग ही मौजूद थे।

पहले टेस्ट मैच में आगे नहीं खेलेंगे शुभमन गिल, बीसीसीआई ने बताया अब कैसा है कप्तान का हाल

कोलकाता : गिल को दूसरे दिन बल्लेबाजी करते वक्त चोट लग गई थी जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। गिल इसके बाद मैदान पर नहीं उतरे और शनिवार की रात उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में अब आगे हिस्सा नहीं लेंगे। गिल को दूसरे दिन बल्लेबाजी करते वक्त चोट लग गई थी जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। गिल इसके बाद मैदान पर नहीं उतरे और शनिवार की रात उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने तीसरे दिन के खेल की शुरूआत से पहले कप्तान के फिटनेस पर अपडेट दिया। गर्दन में मोच आने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए थे गिल गिल भारत की पहली पारी के दौरान रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए थे। गिल ने पहली पारी में तीन गेंदों का सामना किया, लेकिन चोट के कारण उन्हें मैदान से बाहर लौटना पड़ा। गिल साइमन हार्मर की गेंद पर स्लॉग स्वीप करने के प्रयास में गर्दन में मोच आने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए थे।

भारत का सुरक्षा परिषद में पारदर्शिता बरतने का आान, आतंकी सूचीकरण प्रक्रिया पर उठाए गंभीर सवाल

संयुक्त राष्ट्र : भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से आतंकी सूचीकरण प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता की मांग करते हुए कहा कि कई अनुरोध अस्पष्ट आधार पर खारिज किए जाते हैं।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एजेंसियों के कामकाज में अधिक पारदर्शिता बरतने का आान किया है। इस संबंध में भारत ने संगठनों और लोगों को आतंकी संगठन या आतंकवादी घोषित करने के अनुरोध खारिज करने का हवाला भी दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कार्यप्रणाली पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में कहा, संयुक्त राष्ट्र के निकाय के बतौर परिषद की कार्यप्रणाली विश्वसनीयता, दक्षता, प्रभावकारिता व पारदर्शिता महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्षेत्र में कई क्षेत्र हैं लेकिन सदस्य संख्या सिर्फ 15 तक सीमित है। जबकि यह निकाय कई संकटों से घिरे व चुनौतियों से जूझ रहे विश्व में महत्वपूर्ण है। उन्होंने इसके कामकाज में अधिक पारदर्शिता पर बल दिया और कहा, इसका एक उदाहरण वह अस्पष्ट ढंग है जिसके आधार पर संगठन/लोग सूचीबद्ध होने से बच जाते हैं। हितों के टकराव की जगह परिषद में नहीं होनी चाहिए संगठनों व लोगों को सूचीबद्ध करने के बजाय उन्हें सूची से हटाने के फैसलों के विपरीत सुरक्षा परिषद में खारिज हुए अनुरोधों पर फैसले अस्पष्ट तरीके से किए जाते हैं। यहां तक कि परिषद के बाहर के सदस्य देशों को इसकी जानकारी तक नहीं होती। हरीश ने कहा, परिषद की समितियों व सहायक संगठनों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों को विशेषाधिकार प्राप्त होता है, जिनका काम जिम्मेदारी भरा होता है। वह बोले, हितों के टकराव के लिए परिषद में कोई जगह नहीं होनी चाहिए। स्थायी, अस्थायी श्रेणियों में विस्तार पर दिया जोर हरीश ने 15 देशों की सदस्यता वाले संयुक्त राष्ट्र में सुधार का आान कर कहा, सुरक्षा परिषद को उद्देश्यपूर्ण बनाने, मौजूदा व भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए आठ दशक पुरानी संरचना को नया स्वरूप देने पर समग्र प्रयास की जरूरत है। उन्होंने भौगोलिक क्षेत्रों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व के लिए स्थायी और अस्थायी दोनों तरह की श्रेणियों में विस्तार पर भी जोर दिया। क्रिसमस ट्री जनादेश से बच साधारण जनादेश पर लौटें यूएन में भारत के राजदूत, पी. हरीश ने सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण और प्रभावी बनाने के लिए सुधारों की पैरवी की। उन्होंने पारदर्शिता, जवाबदेही और समावेशिता पर बल दिया व संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना में भारत के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने शांति स्थापना आदेशों के बेहतर कार्यान्वयन के लिए टीसीसी व पीसीसी सुझावों पर जोर देकर कहा, शांति स्थापना मिशनों को क्रिसमस ट्री आदेशों से बचकर, सामान्य आदेशों पर लौटना चाहिए। हरीश ने कहा, सुरक्षा परिषद संयुक्त राष्ट्र की पुरानी संरचना का 15 सदस्यों तक सीमित रहना कई संकटों से घिरे व कई चुनौतियां झेल रहे विश्व में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। एजेंसी टुकड़ों में बदलाव पर्याप्त नहीं पाकिस्तान, जो वर्तमान में 2025-2026 के कार्यकाल के लिए अस्थायी सदस्य के रूप में कार्यरत है, को जुलाई में तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया था। भारत ने सुधारों पर जोर देते हुए कहा, हम सुधारों में योगदान को तैयार है, लेकिन जोर दिया कि टुकड़ों में बदलाव पर्याप्त नहीं होंगे।

'ईरान में अब किसी भी स्थान पर नहीं हो रहा यूरेनियम संवर्धन..', विदेश मंत्री अब्बास अराघची का दावा

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने रविवार को कहा कि उनके देश में किसी भी स्थान पर अब यूरेनियम का संवर्धन नहीं हो रहा है। एसोसिएटेड प्रेस के एक सवाल के जवाब में उन्होंने यह बात कही।

तेहरान दौरे पर आए एसोसिएटेड प्रेस के एक पत्रकार के सवाल का जवाब

देते हुए विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ईरानी शासन की ओर से अपने परमाणु कार्यक्रम पर अब तक का सबसे सीधा बयान दिया। यह बयान जून के संघर्ष के बाद सामने आया है, जिनमें इस्त्राइल और अमेरिका ने ईरान की संवर्धन सुविधाओं को निशाना बनाया था। ईरान सरकार ने एपी के इस पत्रकार को तीन दिन का वीजा जारी किया था, ताकि वह अन्य ब्रिटिश और अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के पत्रकारों के साथ एक शिखर सम्मेलन में शामिल हो सके।

मैक्सिको में तेज हुआ जेन जेड आंदोलन, पुलिस से हुई झड़प-पथराव; प्रदर्शनकारी बोले- देश मर रहा है

मैक्सिको : विरोध प्रदर्शनों में शामिल हुईं 43 वर्षीय चिकित्सक एरिजाबेथ गार्सिया ने कहा कि वह सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिए और अधिक धन और बेहतर सुरक्षा की मांग कर रही हैं क्योंकि डॉक्टर असुरक्षा के शिकार है जहां उन्हें हत्या का डर सताता रहता है। मैक्सिको सिटी में जेन जेड का आंदोलन जोर पकड़ रहा है। शनिवार को हजारों की संख्या में युवा प्रदर्शनकारी मैक्सिको सिटी की सड़कों पर उतरे और उन्होंने अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प भी हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया और लाठी-डंडों और जंजीरों से हमला किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों से पुलिस की ढालें और अन्य उपकरण भी छीन लिए। जेन जेड विरोध प्रदर्शन के दौरान 120 लोग घायल हुए विपक्षी दलों के बुजुर्ग समर्थकों का भी जेन जी आंदोलन को

भरपूर समर्थन मिल रहा है। मैक्सिको सिटी के सुरक्षा सचिव पाब्लो वाजक्वेज ने बताया कि हिंसा के दौरान 120 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 100 पुलिस अधिकारी हैं। बीस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 1990 के दशक के अंत और 2010 के दशक की शुरूआत के बीच पैदा हुए युवाओं को जेन जेड कहा जाता है। इस साल इस जनसांख्यिकीय समूह के सदस्यों ने असमानता, लोकतांत्रिक पतन और भ्रष्टाचार के खिलाफ कई देशों में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए हैं। कई देशों में आंदोलन कर चुके हैं जेन जेड सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के बाद सितंबर में नेपाल में सबसे बड़ा जेन जेड विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसके कारण नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। मैक्सिको में, कई युवा कहते हैं कि वे भ्रष्टाचार और हिंसा जैसी व्यवस्थागत समस्याओं से निराश हैं। मैक्सिको में समुद्री डाकुओं की खोपड़ी वाला ध्वज जेन जी के आंदोलन का प्रतीक बन गया है और प्रदर्शनकारी इस झंडे को लहरा रहे हैं। विरोध प्रदर्शनों में शामिल हुईं 43 वर्षीय चिकित्सक एरिजाबेथ गार्सिया ने कहा कि वह सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिए और अधिक धन और बेहतर सुरक्षा की मांग कर रही हैं क्योंकि डॉक्टर असुरक्षा के शिकार है जहां उन्हें हत्या का डर सताता रहता है। मैक्सिको की राष्ट्रपति ने विपक्षी दलों पर लगाए आरोप हाल ही में कई हाई-प्रोफाइल हत्याओं, जिनमें पश्चिमी राज्य मिचोआकन में एक लोकप्रिय मेयर की हत्या भी शामिल है, के बावजूद मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम की लोकप्रियता अभी भी बनी हुई है। शीनबाम ने दक्षिणपंथी दलों पर जेन जेड आंदोलन में घुसपैठ करने और सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके लोगों की भीड़ बढ़ाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। हाल ही में मारे गए मिचोआकेन के मेयर कार्लोस मंजो के समर्थक भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए, जो उनके राजनीतिक आंदोलन के प्रतीक पुआल की टोपियां पहनकर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए थे। मिचोआकेन राज्य के पाट्जकुआरो शहर से आई 65 वर्षीय रियल एस्टेट एजेंट रोजा मारिया अविला ने कहा, 'राज्य मर रहा है।' उन्होंने मंजो के बारे में कहा, 'उसे इसलिए मारा गया क्योंकि वह एक ऐसा व्यक्ति था जो अपराधियों से लड़ने की कोशिश कर रहा था।'

विदेशी कर्मियों को सस्ता मजदूर बताकर वीजा खत्म करने की तैयारी, उपराष्ट्रपति वेंस का तीखा बयान

वॉशिंगटन : अमेरिका में एच-1बी वीजा विवाद तेज होता जा रहा है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने विदेशी कर्मियों को सस्ता मजदूर बताते हुए वीजा समाप्त करने के संकेत दिए। सख्त नीतियों के कारण भारतीय छात्रों में 70% की गिरावट दर्ज की गई, जिससे परिवारों की चिंता बढ़ी है। अमेरिका में एच-1बी वीजा पर जारी विवाद अब सियासी बहस का केंद्र बन गया है। भारत के आईटी पेशेवरों के लिए अहम इस वीजा पर अमेरिका में सख्ती की जा रही है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने तीखा बयान देते हुए विदेशी कर्मियों को सस्ता मजदूर बताया व कहा, देश को उनकी जरूरत नहीं। वेंस ने विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी पर आरोप लगाया कि उनका मॉडल कम वेतन पर बाहरी लोगों को लाने पर आधारित है, जिससे अमेरिकियों के रोजगार और वेतन पर सीधा असर पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर नीतिगत उलटफेर का दौर वीजा नीतियों को लेकर ट्रंप प्रशासन का रुख अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर असर छोड़ रहा है। हाल ही में ट्रंप ने कहा था कि यदि विदेशी छात्रों की संख्या में कमी आई, तो आधे कॉलेज बंद हो जाएंगे। यह बयान ऐसे समय आया है, जब छह माह पूर्व अमेरिकी सरकार ने विदेशों में नए छात्र वीजा इंटरव्यू पर रोक लगा दी थी। इन दिनों ट्रंप प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर नीतिगत उलटफेर का दौर जारी है। इसके चलते सुरक्षा मानक काफी सख्त कर दिए गए?हैं। भारतीय छात्रों की संख्या में रिकॉर्ड 70 फीसदी की गिरावट नई नीतियों के कारण अमेरिकी विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में 70% तक गिर गई है। वीजा स्लॉट न मिलने, अचानक बढ़े रिजेक्शन और सख्त सुरक्षा जांच के चलते कई भारतीय छात्रों ने कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप जैसे देशों की ओर रुख किया है।

असद के पतन के बाद दमिश्क में ऐतिहासिक डे ऑफ डायलॉग , सीरियाई समाज और एव अधिकारियों ने की खुली चर्चा

दमिश्क : असद परिवार के 54 साल पुराने शासन के पतन के बाद पहली बार दमिश्क में सीरियाई नागरिक समाज और यूरोपीय संघ के अधिकारियों ने खुली बातचीत की। बैठक में सांप्रदायिक तनाव, मानवाधिकार उल्लंघन और सीरिया के भविष्य पर गहन चर्चा हुई।

सीरिया में 54 साल पुराने असद परिवार के शासन के गिरने के करीब एक साल बाद, दमिश्क में शनिवार को एक ऐतिहासिक और दुर्लभ क्षण देखने को मिला। सीरियाई नागरिक समाज के प्रतिनिधि, यूरोपीय संघ के अधिकारियों और संक्रमणकालीन सरकार के सदस्यों ने खुलकर संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा की। जिनमें सांप्रदायिक तनाव, जातीय विभाजन और संघर्ष में मारे गए लोगों का मुद्दा प्रमुख रहा। यह बैठक एव द्वारा आयोजित 'डे ऑफ डायलॉग' का हिस्सा थी, जो पहली बार दमिश्क में हुई। इससे पहले ये वार्ताएं ब्रसेल्स में होती थीं, जिन्हें अक्सर पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार ने बहिष्कृत किया था। सीरिया पर बात नहीं, बल्कि सीरिया में बात हो रही बैठक की शुरूआत सीरिया के विदेश मंत्री असद अल-शिबानी के संबोधन से हुई। उन्होंने कहा जिस बैठक में सीरिया के बारे में बात होती थी, वह अब सीरिया के अंदर आयोजित हो रही है। यह नागरिक समाज और यूरोपीय संघ के साथ हमारी मजबूत साझेदारी की शुरूआत है। 500 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा ईयू प्रतिनिधि माइकल ओहनमाख्त ने बताया कि सीरिया के विभिन्न धार्मिक और जातीय समूहों के 500 लोगों ने इस संवाद में हिस्सा लिया। उनके अनुसार यह सीरिया के भविष्य की आशा है, एक ऐसा देश जो अपने सभी नागरिकों का प्रतिनिधित्व करे। सांप्रदायिक हिंसा अभी भी चुनौती पिछले एक साल में हुए राजनीतिक बदलावों के बावजूद, सीरिया अभी भी गंभीर संकटों से जूझ रहा है। मार्च में तटीय क्षेत्र और जुलाई में सुएदा प्रांत में हुई सांप्रदायिक झड़पों में सैकड़ों लोग मारे गए, जिनमें द्रूज और अलवाइट समुदाय के लोग शामिल थे। सामाजिक मामलों की मंत्री हिंद कबावत ने कहा आज का संवाद बदलाव की शुरूआत है। नया सीरिया तभी बनेगा, जब राज्य और नागरिक समाज सम्मान पर आधारित साझेदारी को स्वीकार करेंगे। 130,000 से अधिक परिवार अब भी जवाब चाहते हैं एक सत्र में गुमशुदा लोगों और संक्रमणकालीन न्याय पर चर्चा हुई। सीरियाई प्रतिभागियों ने असद शासन के समय गायब हुए 1.3 लाख से अधिक लोगों के बारे में जवाब मांगे। एक कुर्द प्रतिनिधि ने दशकों से जारी सरकारी भेदभाव की बात रखी, जबकि एक अन्य ने अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं पर हुए अत्याचारों का मुद्दा उठाया। कोई असद शासन के पतन पर पछतावा नहीं करता जाने-माने कार्यकर्ता और वकील माजेन दरविश ने कहा असद परिवार के शासन का अंत हमारी बड़ी उपलब्धि है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सीरिया का भविष्य आसान होगा। फिर भी, हमारे पास आज एक बड़ा अवसर है और हमें इसका लाभ उठाना चाहिए।

'अगले हफ्ते करेंगे मुकदमा', बीबीसी की माफी को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने किया खारिज

लंदन : बीबीसी ने इस मामले पर माफी मांगने के साथ कहा कि इसे दोबारा प्रसारित नहीं किया जाएगा। हालांकि, बीबीसी की ओर से कोई भी आर्थिक मुआवजा देने से इनकार कर दिया गया था।

ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (बीबीसी) की ओर से माफी मांगे जाने के बाद भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेवर कम नहीं हुए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एलान किया कि वह बीबीसी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का इरादा रखते हैं. बीबीसी ने पिछले साल एक डॉक्यूमेंट्री के लिए ट्रंप के भाषण को गलत तरीके से एडिट किया था।

डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार रात एयर फोर्स वन में संवाददाताओं से कहा, ₹हम उन पर मुकदमा करेंगे। शायद अगले हफ्ते कभी भी हम उन पर एक अरब से लेकर पांच अरब डॉलर तक का मुकदमा करेंगे।₹ उन्होंने कहा, ₹हमें यह करना ही होगा। उन्होंने माना है कि उन्होंने धोखाधड़ी की है। ऐसा नहीं है कि वे ऐसा नहीं कर सकते थे। उन्होंने धोखाधड़ी की। उन्होंने मेरे मुंह से निकलने वाले शब्दों को बदल दिया। इस विवाद के चलते बीबीसी में शीर्ष अधिकारियों को इस्तीफा देना पड़ा. साथ ही बीबीसी के भारतीय मूल के अध्यक्ष समीर शाह ने फैसला करने गलती करने के लिए माफी मांगी। बीते गुरुवार को बीबीसी की ओर से कहा गया कि ट्रंप के 6 जनवरी, 2021 के भाषण की गलत एडिटिंग से अनजाने में यह गलत धारणा बन गई कि राष्ट्रपति ने हिंसक कार्रवाई का आान किया था। बीबीसी ने इस मामले पर माफी मांगने के साथ कहा कि इसे दोबारा प्रसारित नहीं किया जाएगा। हालांकि, बीबीसी की ओर से कोई भी आर्थिक मुआवजा देने से इनकार कर दिया गया था। ट्रंप ने बीबीसी को धमकी देते हुए कहा था कि अगर इस बयान को वापस नहीं लिया गया, माफी नहीं मांगी और उन्हें मुआवजा नहीं दिया तो वह बीबीसी पर 1 अरब डॉलर का मुकदमा करेंगे। बीबीसी की ओर से माफी मांगे जाने के बाद भी अब उन्होंने कानूनी कार्रवाई करने का इरादा रखने की बात कही है। उन्होंने के ब्रिटेन के एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि वह मुकदमे में नहीं पड़ना चाहते, लेकिन ऐसा लगता है कि यह करना मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा कि अगर आप ऐसा नहीं करते तो आप इसे दूसरों के साथ दोबारा होने से नहीं रोक सकते। बीबीसी की विवादित डॉक्यूमेंट्री अक्तूबर 2024 में प्रसारित की गई थी। इसमें ट्रंप के 2021 में वाशिंगटन डीसी में दिए गए भाषण का जिक्र था। इसमें उन्होंने कहा था कि हम कैपिटल तक जाएंगे. अपने बहादुर सांसदों और कांग्रेसियों का उत्साह बढ़ाएंगे। करीब 50 मिनट के भाषण के बाद ट्रंप कहते दिखते हैं कि हम लड़ते हैं और हम जी-जान से लड़ते हैं। डॉक्यूमेंट्री में ट्रंप को यह कहते हुए दिखाया गया, ₹हम कैपिटल तक पैदल चलेंगे... और मैं वहां आपके साथ रहूंगा। और हम लड़ेंगे। हम जमकर लड़ेंगे।₹ ट्रंप के भाषण की गलत तरीके से एडिटिंग करने पर मचे विवाद के चलते बीबीसी के महानिदेशक टिम डेवी और समाचार प्रमुख डेबोरा टर्नेस को इस्तीफा देना पड़ा था।

यूक्रेन-रूस कर रहा कैदियों के अदला-बदली की तैयारियां, घर लौट सकते हैं 1200 यूक्रेनी सैनिक

कीव : यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि उनकी सरकार रूस के साथ कैदियों के आदान-प्रदान को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रही है। तुर्की और वअए की मध्यस्थता में हुई बातचीत में 2022 के इस्तांबुल समझौते को लागू करने पर सहमति हुई है। उम्मीद है कि लौटे सैनिक नए साल और क्रिसमस अपने परिवार के साथ मना सकेंगे। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से संघर्ष जारी है। रूस आज भी यूक्रेन पर हमले कर रहा है। हालांकि इनसब के बीच में अब एक अच्छी खबर सामने आ रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार रूस के साथ कैदियों के आदान-प्रदान को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रही है। इसका मकसद लगभग 1200 यूक्रेनी सैनिकों को घर लाना है। जेलेंस्की ने बताया कि इस पर कई बैठकें और बातचीत चल रही हैं और अलग-अलग माध्यमों से संपर्क बनाए जा रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव रुस्तम उमेरोव ने शनिवार को कहा कि इस मामले में तुर्किय और संयुक्त अरब अमीरात की मध्यस्थता में बातचीत हुई। दोनों पक्षों ने इस्तांबुल में 2022 में बनाए गए कैदियों के आदान-प्रदान के नियमों को लागू करने पर सहमति जताई है। उमेरोव ने कहा कि अब तकनीकी और प्रक्रिया से जुड़े अंतिम निर्णय जल्द लिए जाएंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि लौटे हुए यूक्रेनी सैनिक नए साल और क्रिसमस अपने परिवार के साथ मना सकेंगे।

ब्राजील की राजनीति में तूफान, पूर्व मंत्री सिल्वियो अल्मेदा पर यौन उत्पीड़न का औपचारिक आरोप

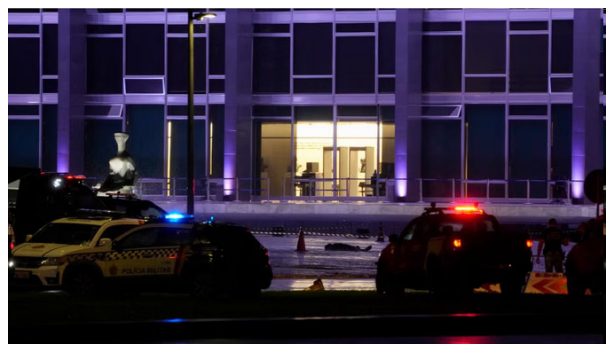

ब्रासीलिया : ब्राजील की राजनीति में एक नया तूफान उस समय खड़ा हो गया जब, वहां की फेडरल पुलिस ने पूर्व मानवाधिकार मंत्री सिल्वियो अल्मेदा पर यौन उत्पीड़न का औपचारिक आरोप लगाया है। मामला अब अभियोजकों और फिर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिका है। हालांकि अल्मेदा ने आरोपों पर अभी तक कोई नई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ब्राजील की फेडरल पुलिस ने राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा की सरकार में मानवाधिकार मंत्री रहे सिल्वियो अल्मेदा पर यौन उत्पीड़न का औपचारिक आरोप लगाया है। यह जानकारी शनिवार को एक पुलिस अधिकारी ने दी। अधिकारी ने अपना नाम न बताने की शर्त पर बात की, क्योंकि उन्हें सार्वजनिक रूप से बोलने की अनुमति नहीं थी। बता दें कि अब यह मामला प्रॉसिक्यूटर्स (अभियोजकों) के पास जाएगा। इसके बाद अगर वे आरोप दाखिल करने का फैसला करते हैं, तो मामला सुप्रीम कोर्ट तक जाएगा। सुप्रीम कोर्ट या तो मामले को खारिज करेगा या स्वीकार करेगा। अगर मामला स्वीकार हुआ, तो अल्मेदा को ट्रायल (मुकदमे) का सामना करना पड़ेगा। अल्मेद ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया मामले में स्थानीय मीडिया रिपोर्ट की माने तो पुलिस ने शुक्रवार को अल्मेदा पर औपचारिक आरोप लगाए। अल्मेदा ने अब तक इस पर कोई नई प्रतिक्रिया नहीं दी है, हालांकि पहले वे सभी आरोपों को नकार चुके हैं। पिछले साल 'मीटू ब्राजील' नाम के संगठन ने बताया कि उन्हें अल्मेदा के खिलाफ यौन दुराचार की शिकायतें मिली हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।